सुगंध -1

कक्षा -9 हिंदी (द्वितीय भाषा)

Class-IX Hindi (Second Language)

पाठ्यपुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

प्रधान कार्यकारी अधिकारी : **वाडेवु चिनवीराभद्दुडु**
कमीशनर,पाठशालाविद्य, अमरावति, आंध्र प्रदेश

आयोजन प्रभारी : **बि. प्रताप रेड्डि**
निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी., अमरावति, आंध्र प्रदेश

कार्यकारी प्रधान आयोजक : **डि. मधुसूधनाराव**
निदेशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस, अमरावति,आंध्र प्रदेश

संपादक

प्रो. टी.वी. कट्टीमनी
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. शुभदा वांजपे
हिंदी विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

डॉ. अनीता गांगुली
सहायक प्रोफेसर, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

विषय विशेषज्ञ

डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री
भारतीय भाषा आधार पत्र संपादक,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

XGAFGQ

विद्या से बढ़ें। क़ानून का आदर करें।
विनय से रहें। **आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित, अमरावति** अधिकार प्राप्त करें।

© Government of Andhra Pradesh, Amaravati

First Published 2013

New Impressions - 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020.

All rights reserved

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Amaravati, Andhra Pradesh.

This Book has been printed on 70 G.S.M. SS Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by A.P. Government

Printed in India
at the Andhra Pradesh Govt.Text Book Press,
Amaravathi,
Andhra Pradesh

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

आमुख

आंध्र प्रदेश में हिंदी भाषा शिक्षण द्वितीय भाषा के रूप में छठवीं कक्षा से आरंभ किया जाता है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः ग्यारह-बारह वर्ष की होती है। इस आयु में बालक भाषा का अर्थ और महत्व समझते हैं। साथ-साथ अपनी मातृभाषा व अंग्रेज़ी की भी जानकारी रखते हैं। इतना ही नहीं वे अपने अड़ोस-पड़ोस से भी कुछ हिंदी भाषा के शब्द सीख लेते हैं। हमें ज्ञात है कि बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों और एन सी एफ-2005, आर टी ई-2009, एस सी एफ-2010 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का सृजन किया गया है।

त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम-से-कम तीन भाषाओं का ज्ञान कराना है। इस उद्देश्य से बालकों को छठवीं से दसवीं कक्षा तक द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी का ज्ञान कराना है। छठवीं कक्षा से हिंदी शिक्षण का आरंभ होता है। इस स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना व सहज, व्यावहारिक एवं मनोरंजक रूप से भाषार्जन के लिए प्रेरित करना हिंदी शिक्षण के उद्देश्य रहे हैं। सातवीं कक्षा के स्तर पर सुनना,बोलना कौशलों में छात्रों को सक्षम बनाने का प्रयास किया गया है। आठवीं कक्षा के स्तर पर पठन व लेखन के साथ-साथ सृजनात्मकता में सक्षम बनाने के अनुरूप पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है।

इस पाठ्य-पुस्तक में गीत, कविताएँ, कहानियाँ, भाषण लेख, साक्षात्कार, समीक्षा, पत्र, निबन्ध आदि के साथ-साथ रोचक द्रुत पाठ भी दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। इनके द्वारा छात्रों में, सोच-विचार कर उत्तर देना, तुलना कर निष्कर्ष निकालना और नवीन ज्ञान का संबंध पूर्व ज्ञान से जोड़ने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इससे बालक को सृजनशीलता के भरपूर अवसर मिलते हैं। वे अर्जित ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान की रचना करते हैं। ये अभ्यास सहज व व्यावहारिक रूप से भाषार्जन करने में सहायक हैं।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद विद्या भवन संदर्भ केंद्र के संसाधक गण श्री कुमार अनुपम एवं प्रदीप कुमार झा के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता है। उन समस्त रचनाकारों के प्रति भी आभार व्यक्त करता है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली तथा अन्य सभी राज्य परिषदों, जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है, उनके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं। इसके निर्माण में सहयोग देने के लिए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, उप विद्याधिकारियों एवं प्रधानाध्यापकों को धन्यवाद। इस पाठ्यपुस्तक के विकास के लिए भाषाविदों, अध्यापकों, अभिभावकों और छात्रों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्लकुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

-बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुले हैं, इसकी यह गुलसिताँ हमारा।।
पर्बत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।
गोदी में खेलती हैं, जिसकी हज़ारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा।।
मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदोस्ताँ हमारा।।

- मोहम्मद इक़बाल

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

Teacher's Corner

XGE35M

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

अध्यापकों से

- इस पाठ्य-पुस्तक में १२ पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। इन्हें निर्धारित वार्षिक पाठयोजना के अनुसार पढ़ायें।
- इस पाठ्य-पुस्तक में अपेक्षित कौशलों व सामर्थ्यों की सूची दी गयी है। इसी के आधार पर छात्रों में दक्षताओं और उच्चतम बौद्धिक कौशलों (HOTS) का विकास करने पर ध्यान दें।
- पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र (उन्मुखीकरण चित्र) से आरंभ हुआ है। इनसे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें। पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं। इनके माध्यम से छात्रों से बातचीत करवायें। दिये गये प्रश्नों के आधार पर बालकों को विविध दृष्टिकोण से सोचने का अवसर दें।
- पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र (उन्मुखीकरण चित्र) से आरंभ हुआ है। इनसे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें।
- हर पाठ के अभ्यास में अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया, अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता, भाषा की बात व परियोजना कार्य संबंधी अभ्यास दिये गये हैं। इन सभी का सदुपयोग कर छात्रों में शैक्षिक मापदंडों का समुचित विकास करने का प्रयास करें। कविता, गीत, पद्य, वार्तालाप या कहानी आदि पाठों के लिए सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में सामूहिक रूप से करवायें। सबको स्वतंत्र व सहज रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
- सी.सी.ई. (सतत समग्र मूल्यांकन) को ध्यान में रखते हुए दक्षताओं का विकास करें।
- इस पाठ्य-पुस्तक में बालक के व्यावहारिक जीवन में आनेवाली शब्दावली का प्रयोग किया गया है। इस पर ध्यान देते हुए भाषा-अधिगम की प्रक्रिया का संबंध बालक के जीवन से जोड़ें ताकि बालक सरलता से भाषागत विकास कर सकें।
- यह पुस्तक बालक को पुस्तकालय की विविध पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरणा देती है। अतः इस दिशा में बालकों को प्रेरित करें।
- हर इकाई में एक द्रुत पाठ भी दिया गया है। छात्र इस पाठ का पठन करके आत्मसात करने की क्षमता का विकास कर सकें। इस संदर्भ में अध्यापक छात्रों का सहयोग व मार्गदर्शन करें।
- विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानव मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दें, जिससे छात्र आदर्श नागरिक बन सकें और अपने भावी जीवन का निर्माण कर सकें।
- पाठ्यपुस्तक एक साधन मात्र है, साध्य नहीं। इस से छात्रों को विविध संचार माध्यमों से जोड़ने का प्रयास करें।

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

छात्र अनिवार्य रूप से निम्नलिखित दक्षताएँ प्राप्त करें -

1. अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

* पद्य, गीत, कविता, वार्तालाप आदि सुनकर समझ सकें। अपने शब्दों में कह सकें।
* संबंधित अंशों के कारण बता सकें।
* पद्य, गीत धाराप्रवाह के साथ गा सकें। सारांश अथवा भाव अपने शब्दों में लिख सकें।
* अपठित अंश पढ़कर अर्थग्राह्यता के साथ उत्तर दे सकें।
* पाठ्यांश के आधार पर दिये गये प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट रूप से दे सकें।
* सूचित अंश का शीर्षक दे सकें। अलग-अलग अंशों में क्रमिकता बता सकें।

2. अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

* पाठ्यांश की घटनाओं, अंशों, पात्रों, स्थानों, विषयों के बारे में समझकर अपने शब्दों में लिख सकें।
* अधूरे विषय, कहानी, कविता आगे बढ़ा सकें।
* अलग-अलग घटनाओं में स्वयं को रखकर घटना आगे बढ़ा सकें।
* शब्दों का विविध संदर्भों में सही पद्धति में वाक्य प्रयोग कर सकें।
* पर्याय शब्दों के अर्थ ग्रहण कर दैनिक जीवन में उपयोग कर सकें।
* भाषा खेल, वर्ग पहेली आदि की सहायता से शब्द लिख सकें।
* पद्य या गद्य को एक विधा से दूसरी विधा में बदल सकें।
* निमंत्रण, बधाई पत्र, दीवार पत्रिका आदि तैयार कर सकें।
* चित्र देखकर वर्णन कर सकें।

3. भाषा की बात

* कवि या लेखकों की रचनाओं की प्रशंसा कर सकें।
* प्रेरणा देने वाले किसी भी अंश की लिंग, धर्म, वर्ग भेद रहित प्रशंसा कर सकें।
* भिन्न संस्कृति, संप्रदायों की प्रशंसा कर सकें।
* अव्यय शब्द, विभक्ति पहचान सकें।
* वाक्य भेद पहचान कर वाक्यों के प्रकार समझ सकें व वाच्य भी समझ सकें।
* काल, संधि और समास के बारे में जानकरी प्राप्त कर सकें।

4. परियोजना कार्य

* संग्रहण कर विषय की जानकारी अर्जित कर सकें। विषय का प्रस्तुतीकरण कर सकें।

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

नवीं कक्षा - हिंदी (द्वितीय भाषा)

विषय सूची

इकाई	क्रम सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ
I	1.	जिस देश में गंगा बहती है..	गीत	जून	1
	2.	गानेवाली चिड़िया	कहानी	जुलाई	6
	3.	बदलें अपनी सोच	भाषण-लेख	जुलाई	11
	उपवाचक	तारे ज़मीं पर	समीक्षा	अगस्त	16
II	4.	प्रकृति की सीख	कविता	अगस्त	18
	5.	फुटबॉल	संस्मरण	सितंबर	22
	6.	बेटी के नाम पत्र	पत्र	सितंबर	26
	उपवाचक	सम्मक्का-सारक्का जातरा	निबंध	अक्तूबर	31
III	7.	मेरा जीवन	कविता	नवंबर	33
	8.	यक्ष प्रश्न	कहानी	नवंबर	37
	9.	रमज़ान	निबंध	दिसंबर	44
	उपवाचक	बुद्धिमान बालक	एकांकी	दिसंबर	49
IV	10.	अमर वाणी	कविता	जनवरी	52
	11.	सुनीता विलियम्स	साक्षात्कार	जनवरी	55
	12.	जागो ग्राहक जागो !	संवाद	फरवरी	61
	उपवाचक	अपना स्थान स्वयं बनायें	कहानी	फरवरी	66

पुनरावृत्ति

मार्च

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

सहभागी गण

श्रीमती एन. हेमलता
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्री मुहम्मद उमर अली
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्री. बी. रमेश बाबू
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्रीमती जी. किरण
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

डॉ. सैयद एम. एम. वजाहत
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्री एस.मोगलय्या 'सागर'
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

डॉ. शेख़ अब्दुल ग़नी
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

डॉ. मयाना खदीरुल्ला
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

डॉ. राजीव कुमार सिंह
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्री मुहम्मद सुलेमान अली 'आदिल'
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश,

श्री के. शिवराजन
राज्य हिंदी संसाधक,आंध्र प्रदेश

श्री के. एस. पटनायक
जनजातीय पाठशाला, आंड्रा,पार्वतीपुरम आंध्र प्रदेश

सुश्री ऋतु भसीन
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्रीमती जयश्री लोहारेकर
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्रीमती कविता
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

QR Codes Team

Pokuri Srinivasa Rao,
APeKX Coordinator,
Head of the Department - Digital Education,
SCERT - Andhra Pradesh, Amaravati.

Nagella Allwyn Joseph
Asst. Coordinator - Digital Education Department,
SCERT - Andhra Pradesh, Amaravati.

चित्रांकन

श्री मोहन राज

श्री कुरेल्ला श्रीनिवास

श्रीमती पार्वती
श्री रामकृष्णा

श्री सय्यद हश्मतुल्ला

श्री कुरेल्ला राघवाचारी

ले आउट & डिज़ाइन - श्री कुर्रा सुरेश बाबू

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

इकाई -I

1. जिस देश में गंगा बहती है...

प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. उड़ना, चमकना, खिलना आदि शब्द इस चित्र में किन से जुड़ सकते हैं?
3. इस चित्र से हमें क्या संदेश मिलता है?

उद्देश्य

हमारा भारत महान देश है। यहाँ गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियाँ बहती हैं। भारतवासी सत्य, अहिंसा, धर्म, न्याय, परोपकार, सद्भावना, मानवता आदि महान गुणों की पहचान हैं। इसे बनाये रखना हर भारतीय का कर्तव्य है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

होठों पे सचाई रहती है,
जहाँ दिल में सफ़ाई रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

X9HG7W

मेहमाँ जो हमारा होता है,
वो जान से प्यारा होता है।
ज़्यादा का नहीं लालच हमको,
थोड़े में गुज़ारा होता है।

बच्चों के लिए जो धरती माँ,
सदियों से सभी कुछ सहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

कुछ लोग जो ज़्यादा जानते हैं,
इंसान को कम पहचानते हैं।
ये पूरब है पूरब वाले,
हर जान की क़ीमत जानते हैं।

मिलजुल के रहो और प्यार करो,
एक चीज़ यही तो रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

जो जिससे मिला सीखा हमने,
ग़ैरों को भी अपनाया हमने।
मतलब के लिए अंधे होकर,
रोटी को नहीं पूजा हमने।

अब हम तो क्या सारी दुनिया,
सारी दुनिया से कहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

X9RC9J

होठों पे सचाई रहती है,
जहाँ दिल में सफ़ाई रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

कवि : शैलेंद्र कुमार
जीवनकाल : 1923 - 1966
विशेषताएँ : कई प्रसिद्ध फिल्मी गीतों की रचना
तीन बार फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. भारतीयों के बारे में कवि ने क्या कहा है?
2. भारत में बहने वाली कुछ नदियों के बारे में बताइए।

(आ) पाठ पढ़िए। अभ्यास-कार्य कीजिए।

- **कविता के आधार पर उचित क्रम दीजिए।**

एक चीज़ यही तो रहती है ( )
मिलजुल के रहो और प्यार करो (1)
जिस देश में गंगा बहती है ( )
हम उस देश के वासी हैं ( )

- **भाव से संबंधित कविता की पंक्तियाँ लिखिए।**

1. विश्व के मानचित्र में भारत पूरब में है। इसलिए भारतीयों को पूरब वासी भी कहते हैं। हमारे यहाँ इंसानियत को अधिक महत्व दिया जाता है।
2. हम ज्ञान को महत्व देते हैं। हमने सबसे कुछ न कुछ सीखा है। अंग्रेज़ों को भी अपनाया है। अपने लाभ के लिए किसी को हानि नहीं पहुँचायी।

- **पंक्तियाँ पढ़िए। भाव बताइए।**

अपना किसी से वैर न समझो,
जग में किसी को ग़ैर न समझो।
आप पढ़ो, औरों को पढ़ाओ,
घर-घर ज्ञान की जोत जलाओ।।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए।

1. गीत में कवि ने मिल-जुल कर रहने के लिए क्यों कहा होगा?
2. हमें अपने मेहमान के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?
3. 'हर जान की क़ीमत जानते हैं।' इसका भाव अपने शब्दों में लिखिए।

(आ) इस गीत का सार अपने शब्दों में लिखिए।

SCERT ANDHRA PRADESH

(इ) देशभक्ति भावना पर चार पंक्तियों की कविता लिखिए।

(ई) इस गीत में आपको कौनसी बातें बहुत अच्छी लगीं? क्यों?

भाषा की बात

(अ) उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

यह + में - इसमें उदा- यह उपवन है। इसमें फूल हैं।

जो + में - जिसमें .....

(आ) मुहावरों के भाव बताइए।

जान से प्यारा होना .....

मतलब की रोटी पूजना .....

मतलब के लिए अंधे होना .....

(इ) नीचे दिये गये वाक्यों की वाक्य रचना समझिए।

1. हम भारतवासी हैं। 2. हमारे होठों पर सचाई रहती है। 3. हमारे दिल में सफ़ाई रहती है। 4. हम हर जान की क़ीमत जानते हैं।	ये वाक्य स्वतंत्र रूप से बने हैं। इनमें किसी दूसरे वाक्य का मेल नहीं है। ऐसे वाक्यों को **सरल वाक्य** कहते हैं।

1. हम भारत के वासी हैं और भारत देश हमारा है। 2. हमारे होठों पर सचाई रहती है और दिल में सफ़ाई रहती है। 3. हम सब भारतीय हैं इसलिए हम सब एक हैं।	इन वाक्यों में दो सरल वाक्यों का मेल हुआ है। इस तरह दो वाक्यों के मेल से बने वाक्यों को **संयुक्त वाक्य** कहते हैं।

1. मेहमाँ जो हमारा होता है, वो जान से प्यारा होता है। 2. हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है।	यहाँ सरल वाक्य के साथ उपवाक्य (आश्रित वाक्य) का मेल हुआ है। सरल वाक्य के साथ किसी आश्रित वाक्य का मेल हो तो उसे **मिश्रित वाक्य** कहते हैं।

(ई) नीचे दिये गये वाक्यों की वाक्य रचना पहचानिए।

1. हम नवीं कक्षा के छात्र हैं।
2. हम अपना भविष्य बनायेंगे और देश की सेवा करेंगे।
3. जो जितनी मेहनत करेगा वह उतना ही आगे बढ़ेगा।

परियोजना कार्य

किसी एक राष्ट्रीय चिह्न का चित्र उतारकर पाँच वाक्य लिखिए। दीवार पत्रिका पर चिपकाइए।

हिंदी सारे भारत को एकता के सूत्र में बाँधती है।

इकाई -1

2. गानेवाली चिड़िया

प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. इनकी मेहनत पर अपने विचार बताइए।

XAA4CU

उद्देश्य

समाज में किसान व मज़दूरों का भी महत्वपूर्ण स्थान है। वे हमारे जीवन के आधार हैं। इनके प्रति स्नेह, प्रेम, सहानुभूति आदि रखना और इनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है। इसके साथ-साथ पशु-पक्षियों का संरक्षण करना भी हमारा धर्म है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

एक राजा था। वह बहुत ही सुंदर महल में रहता था। उसे अपने महल पर बहुत गर्व था। संसार के कोने-कोने से यात्री महल देखने आते थे। यात्रियों ने अपने यात्रा वर्णन में महल की सुंदरता के बारे में कई बातें लिखीं। उन्होंने एक गाने वाली चिड़िया के बारे में भी लिखा था। यह चिड़िया महल के पास वाले जंगल में रहती थी और बहुत मधुर स्वर में गाती थी।

राजा ने इस चिड़िया को कभी नहीं देखा था। यात्रियों द्वारा लिखे गये यात्रा वर्णन पढ़ने से राजा को चिड़िया के बारे में पता चला। राजा ने उस चिड़िया को देखना चाहा। इसीलिए अपने सेवकों को बुलाकर कहा, ''तुम लोगों ने कभी मुझे गाने वाली चिड़िया के विषय में नहीं बताया। जाओ! जंगल से उस चिड़िया को पकड़ लाओ। मैं उसका गाना सुनना चाहता हूँ।''

राजा के सेवकों ने भी उस चिड़िया को कभी नहीं देखा था और न ही पूरे दरबार में कोई इस विषय के बारे में कुछ जानता था। चिड़िया को ढूँढ़ने सैनिक जंगल में गये। ढूँढ़ते-ढूँढ़ते उन्हें एक लड़की मिली, जिसने चिड़िया को गाते हुए देखा था। गाने वाली चिड़िया का नाम लेते ही वह बोली, ''हाँ-हाँ मैं जानती हूँ उस गाने वाली चिड़िया को। ओह! वह कितने मधुर स्वर में गाती है। जब मैं यहाँ से काम समाप्त करके संध्या समय घर लौटती हूँ तो वह मुझे रास्ते भर अपना मीठा-मीठा गाना सुनाती है। इससे मेरी सारी थकान दूर हो जाती है।''

सैनिकों के अनुरोध पर लड़की ने चिड़िया को आवाज़ दी, ''मेरी छोटी सुंदर चिड़िया! हमारे राजा तुम्हारा मधुर संगीत सुनना चाहते हैं। क्या तुम उन्हें अपना गाना सुनाओगी?''

लड़की की बातें सुनकर चिड़िया बोली, ''मेरा संगीत तो इन हरे-भरे जंगलों, खेतों में अच्छा लगता है। फिर भी मैं राजा को अपना गाना अवश्य सुनाऊँगी।''

अगले दिन दरबार लगा हुआ था। लड़की सहित सभी उपस्थित थे। तभी उड़ती हुई चिड़िया वहाँ आयी और अपनी मधुर

SCERT ANDHRA PRADESH

आवाज़ में गाने लगी। उसका गाना सुन कर सभी मुग्ध हो गए। राजा की आँखों में तो खुशी के आँसू आ गये। वे बोले, ''प्यारी चिड़िया! तुम यहीं हमारे पास रहो। जो तुम माँगोगी, वह तुम्हें मिलेगा'' चिड़िया बोली, ''महाराज! मैं आप के पास रहूँगी। मैंने आपकी आँखों में खुशी के आँसू जो देखे हैं।'' चिड़िया के लिए सोने का पिंजरा बनवाया गया। जिस किसी चीज़ की वह इच्छा करती, राजा उसे पूरा करता। सारे राज्य में उस चिड़िया के संगीत की धूम मच गई।

एक दिन चिड़िया को खेतों में मेहनत करने वाले किसानों की याद आयी। उन सबसे मिलने वह खेतों की ओर निकल पड़ी। जब राजा को चिड़िया दिखायी नहीं दी, तो वह दुखी हुआ और अस्वस्थ हो गया। सारी प्रजा राजा की अस्वस्थता के बारे में चिंतित थी। सभी सोचने लगे कि राजा को कैसे बचा लें?

एक दिन राजा ने कमज़ोर आवाज़ में कहा, ''संगीत..! संगीत..! चिड़िया का गाना सुनवाओ।'' सभी दरबारी सोचने लगे कि चिड़िया को कैसे बुलायें? तभी उन्हें मधुर संगीत सुनायी दिया। वे सब आवाज़ की ओर देखने लगे। चिड़िया अपनी मधुर आवाज़ में गा रही थी। यह देखते ही सबकी जान में जान आ गयी।

किसानों के द्वारा चिड़िया ने राजा की अस्वस्थता के बारे में सुन लिया था। तुरंत वह राजा को अपना संगीत सुनाने आ पहुँची। जैसे-जैसे वह गाना गाती, वैसे-वैसे राजा की अस्वस्थता दूर होती। धीरे-धीरे राजा स्वस्थ हो गये। वे चिड़िया से बोले, ''प्यारी चिड़िया मेरे पास लौट आओ। मैं तुम्हें हमेशा राजमहल में रखूँगा।'' चिड़िया बोली, ''नहीं महाराज! मुझे अपना संगीत मेहनत करने वालों को भी सुनाना है। मैं हर दिन यहाँ आऊँगी। आपको भी अपना संगीत सुनाऊँगी।''

चिड़िया की बातों ने राजा पर गहरा असर डाला। राजा ने कहा, ''वाह! तुम महान हो चिड़िया! तुम मज़दूरों और किसानों के लिए राजमहल का सुख त्याग सकती हो, तो क्या मैं उनके लिए कुछ नहीं कर सकता...?'' चिड़िया बोली, ''क्यों नहीं महाराज! मज़दूरों और किसानों के बारे में सोचना और उनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है। क्योंकि वे हमारे सुखदाता और अन्नदाता हैं।''

SCERT ANDHRA PRADESH

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. कुछ पक्षियों के नाम बताइए।
2. ''संगीत मनोरंजन का एक साधन है।'' इस के बारे अपने विचार बताइए।

(आ) पाठ पढ़िए। अभ्यास-कार्य कीजिए।

वाक्यों को सही क्रम दीजिए।

1. तुरंत वह राजा को अपना संगीत सुनाने आ पहुँची। ( )
2. जैसे-जैसे वह गाना गाती वैसे-वैसे राजा की अस्वस्थता दूर होती। ( )
3. तुरंत वह राजा को अपना संगीत सुनाने आ पहुँची। ( )
4. किसानों के द्वारा चिड़िया ने राजा की अस्वस्थता के बारे में सुन लिया था। ( )
5. धीरे-धीरे राजा की अस्वस्थता दूर हो गयी। ( )

- **किसने-किससे कहा-**

1. तुम लोगों ने कभी मुझे गाने वाली चिड़िया के विषय में नहीं बताया।
2. हमारे राजा तुम्हारा मधुर संगीत सुनना चाहते हैं।
3. मुझे अपना संगीत मेहनत करने वालों को भी सुनाना है।

XASVG5

(इ) अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भारत सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सन् 1972 में 'वन्य प्राणी सुरक्षा अधिनियम 1972' बनाकर सभी राज्यों में वन्य प्राणियों के शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया है एवं वन्य जीवों के स्वच्छंद विचरण के लिए देश के विभिन्न भागों में 69 राष्ट्रीय उद्यानों, 399 अभयारण्यों एवं 35 प्राणी उद्यानों का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही दुर्लभ प्रजाति के वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए *प्रोजेक्ट टाइगर* जैसी योजनाएँ आरंभ की गयी हैं।

1. भारत सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण के लिए कौनसा अधिनियम बनाया है?
2. यहाँ पर कितने राष्ट्रीय उद्यानों की संख्या बतायी गयी है?
3. बाघों की सुरक्षा के लिए कौनसी योजना कार्य कर रही है?

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए।

1. मज़दूरों और किसानों की दशा सुधारने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
2. राजा ने चिड़िया के लिए सोने का पिंजरा बनवाया था। आपकी नज़र में चिड़िया को पिंजरे में रखना उचित था? अपने उत्तर का कारण बताइए।

SCERT ANDHRA PRADESH

3. 'दूसरों के काम आने में ही जीवन का सच्चा सुख निहित है।' इस बारे में अपने विचार बताइए।

(आ) 'गाने वाली चिड़िया' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) 'गाने वाली चिड़िया' पाठ का कोई अनुच्छेद संवाद के रूप में लिखिए।

(ई) गीत और संगीत का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। इस पर अपने विचार लिखिए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गए मुहावरों के भाव समझिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1.जान में जान आना 2. खुशी के आँसू आना

(आ) अनुच्छेद पढ़िए। रेखांकित शब्दांशों पर ध्यान दीजिए।

राजा **ने** चिड़िया **को** प्यार **से** रखा। चिड़िया **को** देखने **के लिए** लोग दूर-दूर **से** आते थे। चिड़िया **का** मधुर गान सब **को** भाता था। चिड़िया का संगीत सुन कर सब मन में यही सोचते कि **हे** चिड़िया! तुम कितना मधुर गाती हो।

रेखांकित शब्दांश वाक्य में एक शब्द से दूसरे शब्द का संबंध जोड़ते हैं। इस तरह संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जाना जाता है, उसे **कारक** कहते हैं-

कारक - विभक्तियाँ		
कर्ता कारक	-	ने
कर्म कारक	-	को
करण कारक	-	से, के द्वारा
संप्रदान कारक	-	के लिए, को
अपादान कारक	-	से
संबंध कारक	-	का, के, की
अधिकरण कारक	-	में, पर
संबोधन कारक	-	हे, अरे, अजी

रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारकों से कीजिए।

1. राजा सुंदर महल ..... रहता था।
2. यात्रियों ..... अपने यात्रा वर्णन ..... महल ..... वर्णन किया।
3. राजा ..... चिड़िया ..... कभी नहीं देखा।
4. चिड़िया ..... सोने ..... पिंजरा बनवाया गया।
5. सेवकों ..... लड़की ..... पूछा।

परियोजना कार्य

किसी एक पक्षी का चित्र उतार कर उसके बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

श्रमिक की प्रसन्नता ही देश की प्रगति है। - कार्ल मार्क्स

HRA PRADESH

इकाई -I

3. बदलें अपनी सोच

प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. लड़की क्या कर रही होगी?
3. वह क्या सोच रही होगी?

XB2RHS

उद्देश्य

'सर्वे जनः सुखिनो भवन्तु' इसके लिए पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण आवश्यक है। प्रकृति संरक्षण में हम सब अपनी-अपनी ज़िम्मेदारी निभा सकें।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

संयुक्त राष्ट्र संघ में पहली बार ऐसा हुआ। तेरह वर्ष की एक लड़की ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया। किसी के पास भी उसके सवालों का जवाब नहीं था। अपने सवालों से सबको सोचने पर मजबूर करने वाली उस लड़की का नाम युगरत्ना श्रीवास्तव है। भारत की इस लाड़ली पर सबको गर्व है।

सितंबर, 2009 में संयुक्त राष्ट्र संघ में युगरत्ना श्रीवास्तव ने भाषण देते हुए इस तरह कहा- ''हिमालय पिघलता जा रहा है। ध्रुवीय भालू मरते जा रहे हैं। हर पाँच में से दो व्यक्तियों को पीने का साफ़ पानी नहीं मिलता है। आज हम उन पेड़-पौधों को खोने के कगार पर हैं, जो लुप्त होते जा रहे हैं। प्रशांत महासागर के पानी का स्तर बढ़ता ही जा रहा है।

क्या हम अपने भविष्य की पीढ़ी को यही देने जा रहे हैं? बिल्कुल नहीं। हमारे पूर्वजों ने हमें स्वच्छ और स्वस्थ ग्रह दिया था और हम क्या कर रहे हैं? हम अपने भविष्य की पीढ़ी को प्रदूषित और बिगड़ी हुई धरती देने जा रहे हैं? क्या ऐसा करना ठीक है? सोचो, ध्यान लगाकर सोचो।

आदरणीय सभाजनो! अब समय आ गया है कि हम कुछ क़दम उठायें।

हमें अपनी धरती बचानी होगी। अपने लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी।

यह काम यहाँ नहीं होगा, तो कहाँ होगा? अब नहीं होगा, तो कब होगा? हम नहीं करेंगे, तो कौन करेगा?

हमारा आपसे निवेदन है- ''आप हमारी आवाज़ सुनें।'' भविष्य के लिए मज़बूत इरादों की ज़रूरत है। मज़बूत नेतृत्व की ज़रूरत है।

हाइटेक समाज बना लेने या बैंकों में

करोड़ों रुपये जमा करने से हम अपनी धरती नहीं बचा सकते।

यहाँ हम पर्यावरण की समस्या सुलझाने के लिए ही एकत्रित नहीं हुए हैं बल्कि लोगों की सोच बदलने के लिए भी एकत्रित हुए हैं।

अब हर बालक को पर्यावरण की शिक्षा के प्रति जागरूक करना होगा। हर कक्षा की किताबों में पर्यावरण के पाठ अवश्य होने चाहिए। विकास को रोकने के लिए मैं नहीं कहती। मैं यह कहना चाहती हूँ- जैवमित्र तकनीकों में बढ़ोत्तरी होनी चाहिए जो सस्ती और अच्छी हो। ऐसे संसाधनों का उपयोग होना चाहिए जो पुनः प्राप्त किये जा सकते हैं।

मैं दुनिया के सभी नेताओं से दो प्रश्न पूछना चाहती हूँ-

क्या पर्यावरणीय समस्याओं की पहचान किसी भौगोलिक, राजनैतिक सीमाओं और आयु समूहों के दायरे में होती है? मेरा उत्तर निश्चित तौर पर नहीं है। इसीलिए तो संयुक्त राष्ट्र संघ है। वे ऐसे मुद्दों पर एक-दूसरे से बातचीत करवायें। इस बातचीत में बच्चों और युवकों की आवाज़ भी शामिल की जाय।

यदि राष्ट्र की सुरक्षा, शांति और आर्थिक विकास ही आप के लिए ज़रूरी है, तो पर्यावरण बदलाव ज़रूरी मुद्दा क्यों नहीं होना चाहिए? मैं आशा करती हूँ कि संयुक्त राष्ट्र संघ मानवीय दृष्टिकोण से सोचेगा। पुरानी बातों को भुलाकर नये क़दम उठायेगा। अब हमारे हाथ में केवल वर्तमान और भविष्य हैं। अब हमें कुछ ऐसा करना होगा, जिससे भविष्य का संरक्षण हो।

आदरणीय नेता गण! जब आप कोई नीति बनायें तो हम नादान बच्चों और लुप्त होते जानवरों के बारे में भी सोचें।

महात्मा गाँधी ने कहा था- ''धरती के पास सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति करने की क्षमता है। किसी के लालच की नहीं।''

पक्षी आसमान में उड़ता है, मछली पानी में तैरती है, चीता तेज़ी से दौड़ता है लेकिन ईश्वर ने हमें वरदान के रूप में सोचने के लिए बुद्धि दी है। इससे हम परिवर्तन और सुधार दोनों ला सकते हैं। चलो अब हम आगे बढ़ें। अपनी जन्मभूमि को बचा लें... अपने घर को बचा लें... अपनी धरती को बचा लें...

XBBMJF

धन्यवाद।''

SCERT ANDHRA PRADESH

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. संयुक्त राष्ट्र संघ के बारे में बताइए।
2. युगरत्ना के सवालों के बारे में अपने विचार बताइए।

XBKIL3

(आ) पाठ के आधार पर वाक्यों का सही क्रम पहचानिए।

1. हमें अपनी धरती बचानी होगी। ( )
2. अपने घर को बचा लें... अपनी धरती माँ को बचा लें... ( )
3. हर कक्षा की किताबों में पर्यावरण के पाठ अवश्य होने चाहिए। ( )
4. हमारे पूर्वजों ने हमें स्वच्छ और स्वस्थ ग्रह दिया था। (1)

(इ) अनुच्छेद पढ़िए। इसके आधार पर तीन प्रश्न बनाइए।

कहाँ से आता है हमारा पानी और फिर कहाँ चला जाता है हमारा पानी? हमने कभी इसके बारे में कुछ सोचा है? सोचा तो नहीं होगा शायद, पर इस बारे में पढ़ा ज़रूर है। भूगोल की किताब पढ़ते समय जलचक्र जैसी बातें हमें बतायी जाती हैं। बताते समय सूरज, समुद्र, बादल, हवा, धरती फिर बरसात की बूँदें और लो फिर बहती हुई एक नदी और उसके किनारे बसा तुम्हारा, हमारा घर, गाँव या शहर। चित्र के दूसरे भाग में यही नदी अपने चारों तरफ़ का पानी लेकर उसी समुद्र में मिलती दिखाई देती है।

(ई) इन प्रश्नों के उत्तर तीन वाक्यों में दीजिए।

1. पर्यावरण के बिगड़ने से क्या हानि होती है?
2. पर्यावरण संरक्षण में हम क्या योगदान दे सकते हैं?

GOVT ANDHRA PRADESH

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. पर्यावरण के बिगड़ने से आगामी भविष्य में और कैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं?
2. जल संरक्षण कैसे किया जा सकता है? अपने विचार बताइए।
3. युगरत्ना के स्थान पर आप होते तो कौन-कौन से प्रश्न पूछते?

(आ) इस भाषण-लेख का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) युगरत्ना की जगह अगर आप होते तो संयुक्त राष्ट्र संघ में क्या भाषण देते?

(ई) युगरत्ना के भाषण में तुम्हें कौनसी बात सबसे अच्छी लगी और क्यों?

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ बताकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. संघ 2. ध्रुवीय 3. लुप्त 4. तकनीक 5. वरदान

सही अर्थ वाले शब्द से जोड़ी बनाइए।

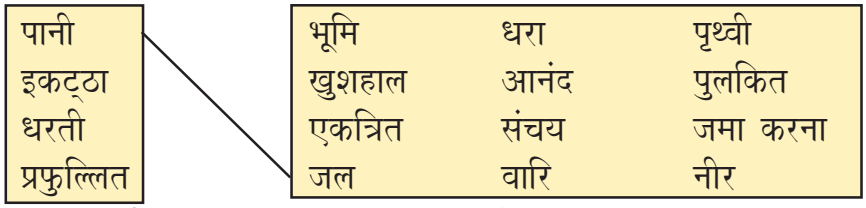

सही अर्थ वाले शब्द के नीचे रेखा खींचिए।

1. मजबूर	=	बाध्य	खुशी	दुख
2. संसाधन	=	स्रोत	खजाना	रुपया
3. पक्षी	=	उड़ान	गगन	पंछी

(आ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए। रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।

1. हमारे पूर्वजों ने हमें स्वच्छ **और** स्वस्थ ग्रह दिया। 2. अब समय आ गया है **कि** हम कुछ क़दम उठायें। 3. वर्तमान के लिए ही नहीं, **बल्कि** भविष्य के लिए भी। 4. यह काम यहाँ नहीं होगा **तो** कहाँ होगा।	रेखांकित शब्दों में **और, कि, बल्कि, तो** आदि शब्द, दो शब्दों या दो वाक्यों को जोड़ते हैं। इस तरह प्रयुक्त होने वाले शब्दों को समुच्चय बोधक कहते हैं।
1. किसी **के पास** भी लड़की के सवालों का जवाब नहीं था। 2. धरती **के ऊपर** प्रकृति है। 3. प्रकृति **के भीतर** जीवन है।	रेखांकित शब्दों में **के पास, के ऊपर, के भीतर** आदि शब्द स्थान का संबंध प्रकट करते हैं। इन्हें संबंध बोधक कहते हैं।
1. **वाह!** कितनी सुंदर प्रकृति है। 2. **हाय!** कितना प्रदूषण फैला है। 3. **ओह!** यह क्या हो गया।	रेखांकित शब्दों में **वाह, हाय, ओह** आदि शब्द आश्चर्य का बोध करते हैं। इन्हें विस्मयादि बोधक कहते हैं।

(इ) रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित अव्ययों से कीजिए।

(वाह!, के नीचे, और)

1. जंगल में साधु जानवर ..... खूँख्वार जानवर रहते हैं।
2. पेड़ ..... उसकी जड़ें होती हैं।
3. ..... मुझे अच्छे अंक मिले।

परियोजना कार्य

पर्यावरण पर दिये गये किसी भाषण लेख का संकलन कीजिए।

पर्यावरण हमारा रक्षा कवच है। इसका संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है।
- सुंदरलाल बहुगुणा

उपवाचक

तारे ज़मीं पर

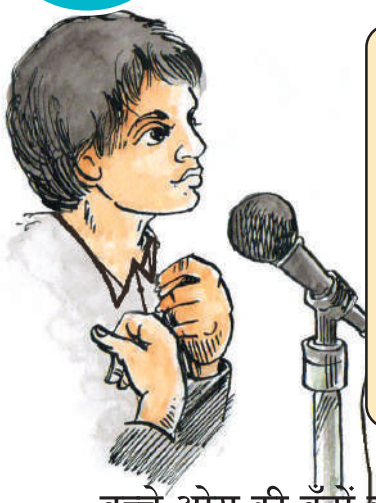

निर्माता-निर्देशक	:	आमिर खान
गीत	:	प्रसून जोशी
संगीत	:	शंकर-अहसान-लॉय
कलाकार	:	आमिर खान, दर्शील सफ़ारी, टिस्का चोपड़ा, विपिन शर्मा, सचेत इंजीनियर।

बच्चे ओस की बूँदों की तरह शुद्ध और पवित्र होते हैं। वे कल के नागरिक हैं। आजकल प्रायः घर-घर से 'टॉपर्स' और 'रैंकर्स' तैयार करने की कोशिश की जा रही है। कई लोग यह नहीं सोचते कि बच्चों के मन में क्या है? वे क्या सोचते हैं? उनके क्या विचार हैं?

इन्हीं प्रश्नों को आमिर ख़ान ने अपनी फिल्म 'तारे ज़मीं पर' में उठाया है। फिल्म की कहानी इस प्रकार है-

आठ वर्षीय ईशान अवस्थी (दर्शील सफ़ारी) का मन पढ़ाई के बजाय कुत्तों, मछलियों और पेंटिंग में लगता है। उसके माता-पिता चाहते हैं कि वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकलता। ईशान घर पर माता-पिता की डाँट खाता है और स्कूल में अध्यापकों की। कोई भी यह जानने की कोशिश नहीं करता कि ईशान पढ़ाई पर ध्यान क्यों नहीं दे रहा है। इसके बजाय वे ईशान को बोर्डिंग स्कूल भेज देते हैं।

खिलखिलाता ईशान वहाँ जाकर मुरझा जाता है। वह हमेशा सहमा और उदास रहने लगता है। उस पर निगाह जाती है 'कला अध्यापक' रामशंकर निकुंभ (आमिर खान) की। निकुंभ सर उसकी उदासी का पता लगाते हैं और उन्हें पता चलता है कि ईशान बहुत प्रतिभाशाली है, लेकिन डिसलेक्सिया की समस्या से पीड़ित है। उसे अक्षरों को पढ़ने में तकलीफ़ होती है। अपने प्यार और दुलार से निकुंभ सर ईशान के अंदर छिपी प्रतिभा सबके सामने लाते हैं।

© NCERT not to be republished

कहानी सरल है, जिसे आमिर ख़ान ने बेहद प्रतिभाशाली ढंग से परदे पर उतारा है। पटकथा की बुनावट एकदम चुस्त है। छोटे-छोटे भावात्मक दृश्य रखे गये हैं, जो सीधे दिल को छू जाते हैं।

ईशान का स्कूल से भागकर सड़कों पर घूमना, ताज़ी हवा में साँस लेना, बिल्डिंग को कलर होते देखना, फुटपाथ पर रहनेवाले बच्चों को आज़ादी से खेलते देखकर उदास होना, बरफ़ का लड्डू खाना जैसे दृश्यों को देखकर कई लोगों को अपने बचपन की याद ताज़ा हो आती है।

सबसे बड़ी बात यह है कि ईशान के माध्यम से बच्चे में छिपी प्रतिभा सुंदर ढंग से उभारी गयी है। फिल्म के अंत में इसका परिचय ईशान की चित्रकारी से होता है। चित्रकारी प्रतियोगिता में उसे प्रथम पुरस्कार मिलता है। इसी दृश्य में आमिर ने उसकी मासूमियत को अपने चित्र से उभारा है। इस तरह शिष्य अपने अध्यापक की प्रेरणा से किस तरह आगे बढ़ सकता है, इसका प्रमाण ही यह फिल्म है।

ईशान की भूमिका में दर्शील सफ़ारी इस फिल्म की जान है। विश्वास ही नहीं होता कि यह बच्चा अभिनय कर रहा है। मासूम से दिखने वाले इस बच्चे ने भय, क्रोध, उदासी और हास्य के हर भाव को अपने चेहरे से दर्शाया है। शायद इसीलिए उसे संवाद कम दिये गये हैं।

■ **प्रश्नः**

1. ईशान कैसा बालक है?
2. बच्चों के प्रति निकुंभ सर के विचार कैसे हैं?
3. बच्चों के जीवन में पाठशाला की क्या भूमिका होनी चाहिए?
4. 'तारे ज़मीं पर' समीक्षा का निष्कर्ष क्या है?

SCERT ANDHRA PRADESH

इकाई–II

4. प्रकृति की सीख

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. इससे क्या संदेश मिलता है?

XBUEMQ

उद्देश्य

प्रकृति के कण-कण में कुछ न कुछ संदेश छिपा होता है। ये पर्वत, नदियाँ, झरने, पेड़ आदि हमसे कुछ कहते हैं। इनके संदेशों से हम जीवन सफल बना सकते हैं।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

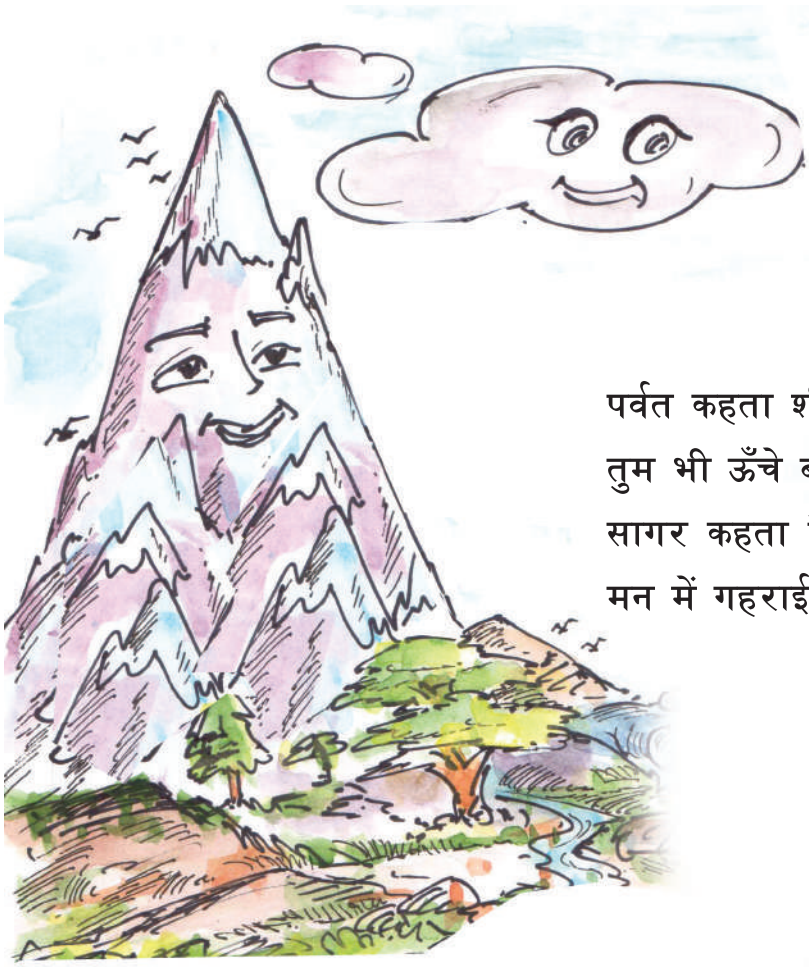

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती है,
उठ-उठ गिर गिर तरल तरंग।
भर लो, भर लो अपने दिल में,
मीठे-मीठे मृदुल उमंग।।

पृथ्वी कहती, धैर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।
नभ कहता है, फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।।

XC4APD

कवि : सोहनलाल द्विवेदी
जीवनकाल : 1906-1988
प्रसिद्ध रचना : सेवाग्राम
पुरस्कार : पद्मश्री

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. नदियाँ खेती के लिए किस प्रकार उपयोगी हैं?
2. ऋतुओं के नियंत्रण में पर्वत कैसे सहायक होते हैं?

(आ) पाठ पढ़िए। अभ्यास-कार्य कीजिए।

- **कविता के आधार पर उचित क्रम दीजिए।**

1. सागर कहता है लहरा कर। ( )
2. पर्वत कहता शीश उठाकर। (1)
3. मन में गहराई लाओ। ( )
4. तुम भी ऊँचे बन जाओ। ( )

XCD6R1

- **स्तंभ 'क' को स्तंभ 'ख' से जोड़िए और उसका भाव बताइए।**

क	ख	
पर्वत	धैर्य न छोड़ो	उदा: धैर्यवान बनना।
सागर	ढक लो तुम सारा संसार	.....
तरंग	गहराई लाओ	.....
पृथ्वी	हृदय में उमंग भर लो	.....
नभ	ऊँचे बन जाओ	.....

- **पद्यांश पढ़िए। अब इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

भई सूरज
ज़रा इस आदमी को जगाओ।
भई पवन
ज़रा इस आदमी को हिलाओ।
यह आदमी जो सोया पड़ा है
जो सच से बेखबर
सपनों में खोया पड़ा है,
भई पंछी इनके कानों पर चिल्लाओ
भई सूरज
जरा इस आदमी को जगाओ।

- **प्रश्न**
  1. सूरज के बारे में आप क्या जानते हैं?
  2. कवि ने सूरज, पंछी, हवा से क्या कहा?
  3. वास्तव में जगने का क्या तात्पर्य है?

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. पर्वत हमें सिर उठाकर जीने के लिए क्यों कह रहा होगा?
2. विपत्तियों का सामना हमें कैसे करना चाहिए?
3. प्रकृति के अन्य तत्व जैसे:- नदियाँ, सूरज, पेड़ आदि हमें क्या सीख देते हैं?

(आ) कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) कविता के भाव से सूक्तियाँ लिखिए।

(ई) नीचे दी गई पंक्तियों के आधार पर छोटी-सी कविता लिखिए।

हरियाली कहती .....।

महकते फूल कहते .....।

चहचहाते पक्षी कहते .....।

बहती नदियाँ कहतीं .....।

भाषा की बात

(अ) पाठ में आये पुनरुक्त शब्द रेखांकित कीजिए और वाक्य प्रयोग कीजिए।

जैसे : मीठी-मीठी - बच्चे मीठी-मीठी बातें करते हैं।

(आ) विपरीत अर्थ लिखिए और वाक्य प्रयोग कीजिए।

जैसे : न्याय X अन्याय

हमें अन्याय का विरोध करना चाहिए।

(धैर्य, हिंसा, शांति, यश, धर्म, गौरव, सत्य)

(इ) इन शब्दों के बीच का अंतर समझिए और स्पष्ट कीजिए। ऐसे ही तीन शब्द लिखिए।

गहरा - गहराई	स्वतंत्र - स्वतंत्रता
ऊँचा - ऊँचाई	परतंत्र - परतंत्रता
लंबा - लंबाई	नैतिक - नैतिकता
अच्छा - अच्छाई	धार्मिक - धार्मिकता

NEHRA PRADESH

परियोजना कार्य

सोहनलाल द्विवेदी के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। उनकी कोई एक कविता ढूँढ़कर लिखिए।

सपने देखिए और उन्हें साकार कीजिए।
- ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

इकाई-II

5. फुटबॉल

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. एक-दूसरे से क्या कहना चाहते हैं?

XCH2SN

उद्देश्य

खेल हमारे जीवन का अनोखा अंग है। खेलों से मनोरंजन होता है। मानसिक व शारीरिक विकास भी होता है। खेलों से अनुशासन व नियमों का पालन करने की प्रेरणा भी मिलती है। खेल में खेल भावना के साथ-साथ सहयोग, सहनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन आदि की भावनाएँ होती हैं।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

फुटबॉल प्रायः हमारे सभी स्कूलों में खेला जाता है। फुटबॉल मिला और लेकर खेलने निकल गये। यों भी हम लोग वॉलीबाल तो खेलते ही आये हैं। इस तरह खेलते-खेलते फुटबॉल भी खेलने का शौक पैदा हो गया और फुटबॉल मेरा प्रिय खेल बन गया।

क्या दिन, क्या रात, क्या खेत, क्या मैदान, जब समय मिला, मैं हूँ और मेरा फुटबॉल। शुरू-शुरू में तो मैं अकेला ही फुटबॉल खेलता रहा। तब यह मेरे लिए खिलौना था। बाद में मालूम हुआ कि यह तो सबकी चीज़ है। अनोखी चीज़ है। हाँ! फुटबॉल सबकी चीज़ है। दो टीमें खेलती हैं। हज़ारों लोग देखते हैं।

फुटबॉल का खेल अकेले एक आदमी का खेल नहीं। यह टीम का खेल है, मिलजुलकर खेलने का खेल है, यह ताक़त और सावधानी का खेल है, यह चुस्ती का खेल है, यह नज़र का खेल है। फुटबॉल पर नज़र, साथियों पर नज़र, विपक्षियों पर नज़र, गोल पर नज़र, लाइन पर नज़र, समय पर नज़र, अपने पर नज़र। यह ऐसा खेल है जिसमें एक की ताक़त सबकी ताक़त है और एक की कमज़ोरी सबकी कमज़ोरी है।

© TET ANDHRA PRADESH

फुटबॉल सचाई का खेल है। यह प्रेम का खेल है। इसमें जो वैर-भाव रखे, वह खिलाड़ी नहीं। दो पक्ष हैं, एक जीतेगा और दूसरा हारेगा। इसमें नाराज़गी या वैर-भाव की क्या बात? इस बार हारोगे तो अगली बार जीतोगे। जीतने की कोशिश करो। विपक्षी अगर जीतता है तो उसके खेल को समझो और उसकी सराहना करो। अपनी हार से भी सीखो और अपनी जीत से भी सीखो।

आज तक मैंने किसी बड़ी टीम में नहीं खेला, पर एक दिन मैं अपने ही देश की किसी बड़ी टीम में ज़रूर खेलूँगा। यहीं नहीं, मैं बाहर भी खेलना चाहता हूँ। आज नहीं तो कल मेरी इच्छा ज़रूर पूरी होगी।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर सोचकर बताइए।

1. 'खेलों से मनोरंजन होता है।' अपने विचार बताइए।
2. अपने मनपसंद खेल के बारे में बताइए?

XD5TVY

(आ) पाठ के आधार पर वाक्यों को उचित क्रम दीजिए।

1. जीतने की कोशिश करो। ( )
2. यह प्रेम का खेल है। ( )
3. फुटबॉल सचाई का खेल है। (1)
4. इस बार हारोगे, तो अगली बार जीतोगे। ( )

(इ) अनुच्छेद पढ़िए। भाव लिखिए।

खेल बच्चों के जीवन का अनोखा अंग है। इससे मानसिक और शारीरिक विकास होता है। खेलों से मानसिक थकान दूर होती है। जीवन परिश्रमी बनता है। शरीर स्वस्थ रहता है। इसलिए खेलों को अपने जीवन में महत्व देना अनिवार्य है।

(ई) इन प्रश्नों के उत्तर तीन वाक्यों में दीजिए।

1. फुटबॉल खेल में गोल रक्षक का क्या महत्व है?
2. किसी भी खेल में नेतृत्व भावना की क्या भूमिका होती है?

SCERT ANDHRA PRADESH

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. खेलों से किन गुणों का विकास होता है?
2. आपको कौन-सा खेल पसंद है और क्यों?
3. पढ़ाई के साथ-साथ खेलों की आवश्यकता क्यों होती है?

(आ) 'फुटबॉल' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) किसी एक खेल के बारे में लिखिए।

(ई) 'हार-जीत खेल का एक हिस्सा है।' इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

भाषा की बात

(अ) वाक्य पढ़िए और अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद समझिए।

1. लड़का मैदान में फुटबॉल खेलता है।	- विधानार्थक वाक्य
2. आप मैदान में फुटबॉल खेलिए।	- आज्ञानार्थक वाक्य
3. हमें फुटबॉल खेलना चाहिए।	- इच्छार्थक वाक्य
4. आप क्या खेलते हैं?	- प्रश्नार्थक वाक्य
5. समय मिलता तो हम फुटबॉल खेलते।	- संकेतार्थक वाक्य
6. लड़का मैदान में खेलता होगा।	- संदेहार्थक वाक्य
7. वाह! फुटबॉल अच्छा खेल है।	- विस्मयार्थक वाक्य
8. सड़क पर फुटबॉल खेलना मना है।	- निषेधार्थक वाक्य

परियोजना कार्य

वर्ग-पहेली में खेलों के नाम छिपे हैं। उन्हें पहचानिए। किसी एक के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए।

खो	क्रि	आ	क	टे
खो	के	हॉ	की	नि
फु	ट	बॉ	ल	स

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन और मस्तिष्क का निवास होता है।

इकाई-II

6. बेटी के नाम पत्र

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. बालक क्या कर रहा होगा?
3. हमारे जीवन में पत्रों का क्या महत्व है?

XDEPXL

उद्देश्य

अपनी भावनाएँ दूसरों तक पहुँचाने के लिए पत्र भी एक साधन है। इस साधन के द्वारा समुचित व प्रभावी रूप से भावाभिव्यक्ति की जा सकती है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

नैनी जेल,

26 अक्तूबर, 1930.

प्रिय इंदिरा,

जन्मदिन पर तुम्हें कई उपहार मिलते रहे हैं। शुभकामनाएँ भी दी जाती रही हैं। पर मैं इस जेल में बैठा तुम्हें क्या उपहार भेज सकता हूँ। हाँ, मेरी शुभकामनाएँ सदा तुम्हारे साथ रहेंगी।

क्या तुम्हें याद है कि 'जोन ऑफ आर्क' की कहानी तुम्हें कितनी अच्छी लगी थी? तुम स्वयं भी तो उसी की तरह बनना चाहती थी। पर साधारण पुरुष तथा स्त्रियाँ इतने साहसी नहीं होते। वे तो अपने प्रतिदिन के कामों, बाल-बच्चों तथा घर की चिंताओं में ही फँसे रहते हैं। परंतु एक समय ऐसा आ जाता है कि किसी महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी लोगों में असीम उत्साह भर जाता है। साधारण पुरुष वीर बन जाते हैं और स्त्रियाँ वीरांगनाएँ।

आजकल हमारे भारत के इतिहास का निर्माण हो रहा है। बापू ने भारतवासियों के दुखों को दूर करने के लिए आंदोलन छेड़ा है। मैं और तुम बहुत ही भाग्यशाली हैं कि यह आंदोलन हमारी आँखों के सामने हो रहा है और हम भी इसमें कुछ भाग ले रहे हैं। एक महान उद्देश्य हमारे सामने है और इसकी पूर्ति के लिए बहुत कुछ करना है।

अब सोचना यह है कि इस महान आंदोलन में हमारा कर्तव्य क्या है इसमें हम किस तरह भाग लें परंतु जो कुछ भी हम

SCERT ANDHRA PRADESH

करें, हमें इतना अवश्य स्मरण रखना चाहिए कि उससे हमारे देश को हानि न पहुँचें। कई बार हम संदेह में भी पड़ जाते हैं कि हम क्या करें, क्या न करें। यह निश्चय करना कोई सरल कार्य नहीं है। जब भी तुम्हें ऐसा संदेह हो तो ठीक बात का निश्चय करने के लिए मैं तुम्हें एक छोटा-सा उपाय बताता हूँ। तुम ऐसा कोई काम न करना, जिसे दूसरों से छिपाने की इच्छा तुम्हारे मन में उठे। किसी बात को छिपाने की इच्छा तभी होती है, जब तुम कोई ग़लत काम करती हो। बहादुर बनो और सब कुछ स्वयं ही ठीक हो जाएगा। यदि तुम बहादुर बनोगी तो तुम ऐसी कोई बात नहीं करोगी, जिससे तुम्हें डरना पड़ें या जिसे करने में तुम्हें लज्जित होना पड़ें।

तुम्हें यह तो मालूम ही है कि बापू जी के नेतृत्व में स्वतंत्रता का जो आंदोलन चलाया जा रहा है उसमें छिपा रखने जैसी कोई बात नहीं है। हम तो सभी काम दिन के उजाले में करते हैं। अच्छा बेटी। अब विदा।

भारत की सेवा के लिए तुम बहादुर सिपाही बनो, यही मेरी शुभकामना है।

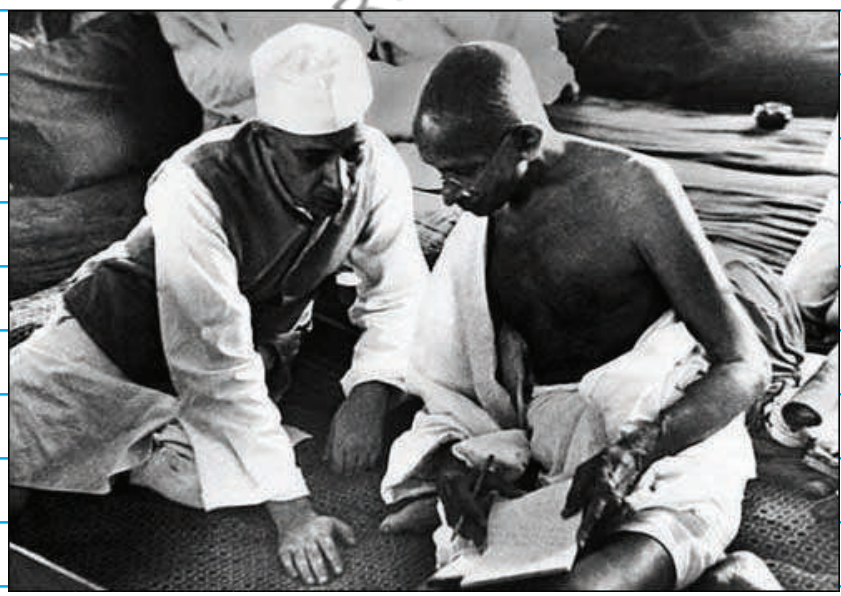

तुम्हारा पिता,
जवाहर लाल।

RT ANDHRA PRADESH

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर सोचकर दीजिए।

1. पुराने समय में पत्र कैसे भेजे जाते थे?

2. विविध उत्सवों व शुभसंदर्भों पर शुभकामनाएँ कैसे दी जाती हैं?

(आ) पाठ पढ़िए। उत्तर दीजिए।

1. **वाक्यों को जोड़कर सही वाक्य लिखिए।**

क. बापूजी के नेतृत्व में	इतिहास का निर्माण हो रहा है।
ख. आजकल हमारे भारत के	स्वतंत्रता आंदोलन चल रहा था।
ग. साधारण पुरुष वीर और	उजाले में करते हैं।
घ. हम तो सभी काम दिन के	स्त्रियाँ वीरांगनाएँ बन सकती हैं।

2. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

एक बार मेरे पिताजी 'श्रवण की पितृभक्ति' नामक पुस्तक खरीद कर लाये। मैंने उसे बड़े चाव से पढ़ा। उन दिनों बाइस्कोप में तस्वीर दिखानेवाले लोग आया करते थे। तभी मैंने अपने माता-पिता को बहंगी पर बिठाकर ले जानेवाले श्रवण कुमार का चित्र भी देखा। इन बातों का मेरे मन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। मन-ही-मन मैंने ठान लिया कि मैं भी श्रवण की तरह बनूँगा।

मैंने 'सत्य हरिश्चंद्र' नाटक भी देखा था। बार-बार उसे देखने की इच्छा होती। हरिश्चंद्र के सपने आते। यह बात मेरे मन में बैठ गयी। चाहे हरिश्चंद्र की भाँति कष्ट क्यों न उठाना पड़े, पर सत्य को कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

प्रश्न 1. सेवाभाव की प्रेरणा महात्मा गाँधी को कैसे मिली?

2. सत्य की प्रेरणा महात्मा गाँधी को किससे मिली?

3. इस गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा?

SCERT ANDHRA PRADESH

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पत्रों की हमारे जीवन में क्या भूमिका होती है?
2. अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हमें क्या करना चाहिए?
3. ''मैं और तुम बहुत भाग्यशाली हैं।'' नेहरू जी ने ऐसा क्यों कहा होगा?

(आ) पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) बहादुरी से संबंधित कोई छोटी सी कहानी लिखिए।

(ई) देश की रक्षा में तत्पर बहादुर सिपाहियों के योगदान के बारे में लिखिए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गए एकवचन और बहुवचन के रूप समझिए।

उपहार	-	उपहार	पुस्तक	-	पुस्तकें
राजा	-	राजा	शुभकामना	-	शुभकामनाएँ
कवि	-	कवि (कविजन)	समिति	-	समितियाँ
पक्षी	-	पक्षी (पक्षीवृंद)	कहानी	-	कहानियाँ
गुरु	-	गुरु (गुरुजन)	ऋतु	-	ऋतुएँ
लड़का	-	लड़के	बहू	-	बहुएँ

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों से कीजिए।

(खेद, बधाई, शुभकामनाएँ, आशीर्वाद)

1. नानी ने अपनी नवासी को जीती रहो बेटी कहकर ..... दिया।
2. आपको जन्मदिन की .....।
3. खेल में आपकी जीत हुई इसके लिए आपको ..... हो।
4. रुकावट के लिए .....है।

परियोजना कार्य

बाल अधिकार के बारे में जानकारी प्राप्त करके एक सूची बनाइए।

जो पुस्तकें तुम्हें सबसे अधिक सोचने के लिए विवश करती हैं, वे तुम्हारी सबसे बड़ी सहायक हैं।
- पं. जवाहर लाल नेहरू

उपवाचक

सम्मक्का-सारक्का जातरा

भारतीय संस्कृति विश्व में विशेष स्थान रखती है। यहाँ सभी धर्मों, जातियों के लोग मिलजुलकर रहते हैं। इसका एक उदाहरण है- सम्मक्का-सारक्का जातरा। यह एक जनजातीय मेला है। वरंगल जिले के सम्मक्का-सारलम्मा ताडवाई मंडल के मेडारम गाँव में इसे धूम-धाम से मनाते हैं।

यह वरंगल से लगभग 110 किलोमीटर दूर है। सम्मक्का-सारलम्मा ताडवाई मंडल के घने जंगलों व पहाड़ों में स्थित मेडारम में इस ऐतिहासिक जातरा का आयोजन किया जाता है। विश्वास है कि समस्त जनजातीय लोगों की देवी सम्मक्का-सारक्का अत्यंत महिमावान हैं। विविध प्राँतों से लोग यहाँ पर आकर वन देवता के रूप में सम्मक्का-सारक्का की पूजा करते हैं। यह यहाँ की सबसे बड़ी जनजातीय जातरा है। यह जातरा पूरी तरह से जनजातीय रीति-रिवाजों के अनुसार आयोजित की जाती है। सन् 1996 में आंध्र प्रदेश राज्य सरकार ने इस जातरा को राज्य त्यौहार के रूप में गौरवान्वित किया। इतना ही नहीं, सरकार ने यहाँ के जनजाति लोगों के अनुरोध पर वर्ष 2013 में ताडवाई मंडल का नाम ''सम्मक्का-सारलम्मा ताडवाई'' मंडल के रूप में बदल दिया।

SCERT ANDHRA PRADESH

12वीं शताब्दी में तत्कालीन करीमनगर जिले के जगित्याल प्रांत के पोलवासा के जनजातीय शासक मेडराजू की इकलौती पुत्री सम्मक्का का विवाह मेडारम के शासक पगिडिद्दा राजू के साथ हुआ। इस दंपति को सारलम्मा (सारक्का), नागुलम्मा और जंपन्ना नामक तीन संतान हुई। राज्य विस्तार की आकांक्षा से काकतीय नरेश प्रथम प्रतापरुद्र ने पोलवासा पर आक्रमण किया था। उनके आक्रमण के कारण मेडराजू मेडारम से भागकर अज्ञात में रहने लगे। मेडारम के शासक कोया जाति के नरेश पगिडिद्दा राजू काकतीय सामंत के रूप में रहने लगे। किंतु अकाल के कारण वे काकतीय नरेश को कर देने में विफल हुए। काकतीय नरेश इस पर नाराज़ हो गए। अतः प्रथम प्रतापरुद्र ने अपने महामंत्री युगंधर के साथ माघ पूर्णिमा के दिन मेडारम पर आक्रमण कर दिया।

सांप्रदायिक ढंग से अस्त्र-शस्त्र धारण कर पगिडिद्दा राजू सम्मक्का, सारक्का, नागुलम्मा, जंपन्ना, गोविंदराजू अलग-अलग प्रांतों से गोरिल्ला युद्ध आरंभ कर वीरता से लड़ते हैं। किंतु प्रशिक्षित और बहुसंख्यक काकतीय सेना के आक्रमण से मेडराजू, पगिडिद्दा राजू, सारलम्मा, नागुलम्मा, गोविंदराजू युद्ध

में वीरगति प्राप्त करते हैं। जंपन्ना संपेंगा नहर के जल में समाधि लेते हैं। तभी से संपेंगा वागु (छोटी नदी) जंपन्ना वागु के नाम से प्रसिद्ध हो गई। इन सब घटनाओं से क्रुद्ध सम्मक्का काकतीय सेना पर रणचंडी के समान टूट पड़ती है और वीरता के साथ युद्ध करती है। जनजातीय स्त्री की युद्ध कला देखकर प्रतापरूद्र आश्चर्यचकित हो जाते हैं। कहा जाता है कि अंत में शत्रुओं के हाथों घायल सम्मक्का युद्ध भूमि से चिलुकल गुट्टा की ओर जाती हुई अदृश्य हो जाती है। उसकी खोज में गयी सेना को उस प्रांत में बांबी के पास हल्दी, कुंकुम की भरिणी मिलती है। उसी को सम्मक्का मानकर उस दिन से हर दो साल में एक बार माघ पूर्णिमा के दिन सम्मक्का-सारक्का जातरा बड़े ही वैभव के साथ आयोजित की जाती रही है।

जातरा के पहले दिन कन्नेपल्ली से सारलम्मा की सवारी लायी जाती है। दूसरे दिन चिलुकल गुट्टा में भरिणि के रूप में सम्मक्का को प्रतिष्ठापित किया जाता है। देवी की प्रतिष्ठापना के समय भक्तजनों की भीड़ उमड़ पड़ती है। यह भीड़ किसी कुंभ मेले से कम नहीं होती। इसीलिए इस जातरा को राज्य का कुंभमेला कहा जाता है। तीसरे दिन दोनों माता देवियों को आसन पर प्रतिष्ठापित करते हैं। चौथे दिन देवियों का आह्वान होता है। पुनः दोनों देवियों को युद्ध स्थल की ओर ले जाया जाता है। पारंपरिक तौर से चले आ रहे जनजातीय पुरोहित ही यहाँ के पुरोहित होते हैं। अपनी इच्छाओं को पूरा करने की कामना करते भक्तजन देवी को सोना (गुड़) नैवेद्य रूप में चढ़ाते हैं। इस जातरा का इतिहास लगभग नौ सौ वर्ष पुराना है। प्रतिवर्ष भक्तों की संख्या और इसकी ख्याति बढ़ती ही जा रही है। इस जातरा से सामाजिकता और देश के प्रति अपने आपको समर्पित करने की भावना जागृत होती है।

SCERT ANDHRA PRADESH

प्रश्न

1. आंध्र प्रदेश सरकार ने सम्मक्का-सारक्का जातरा को किस तरह गौरवान्वित किया?
2. इस जातरा को तेलंगाणा राज्य का कुंभमेला क्यों कहा जाता है?
3. सम्मक्का-सारक्का के जीवन से क्या संदेश मिलता है?

इकाई-III

7. मेरा जीवन

प्रार्थना करने वाले होंठों से सहायता करने वाले हाथ कहीं अच्छे हैं।

- मदर तेरेसा

प्रश्न

1. इस चित्र से कौनसी भावना प्रकट होती है?
2. आपको समाज सेवा करना कैसा लगता है?
3. मदर तेरेसा के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है?

XE7D3J

उद्देश्य

लक्ष्य की राह में खुशहाल, सुखी जीवन व्यतीत करने की प्रेरणा देना।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

मैं ने हँसना सीखा है, मैं नहीं जानती रोना।
बरसा करता पल पल पर, मेरे जीवन में सोना।
मैं अब तक जान न पाई कैसी होती है पीड़ा।
हँस हँस जीवन में कैसे करती हैं चिंता क्रीड़ा।

XEG957

जग है असार सुनती हूँ मुझको सुख-सार दिखाता।
मेरी आँखों के आगे सुख का सागर लहराता।
उत्साह उमंग निरंतर रहते मेरे जीवन में।
उल्लास विजय का हँसता मेरे मतवाले मन से।

आशा आलोकित करती मेरे जीवन को प्रतिक्षण।
है स्वर्णसूत्र से वलयित मेरी असफलता के धन।
सुख भरे सुनहरे बादल रहते हैं मुझको घेरे।
विश्वास, प्रेम, साहस जीवन के साथी मेरे।

कवयित्री : सुभद्रा कुमारी चौहान
जीवनकाल : 1904 - 1948
रचनाएँ : मुकुल, त्रिधारा।
विशेष : सुभद्राजी के चित्र का
भारतीय डाक सेवा द्वारा स्टैंप जारी।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(अ) जीवन में हँसते-बोलते रहना क्यों ज़रूरी है?

(आ) खुशहाल जीवन की क्या विशेषता होती है।

(इ) 'प्रसन्न व्यक्ति कभी दुखी नहीं होता' इस पर अपने विचार बताइए।

(आ) कविता पढ़कर नीचे दिये गये अभ्यास पूरे कीजिए।

इन पंक्तियों का उचित क्रम बताइए।

1. उत्साह उमंग निरंतर रहते मेरे जीवन में । ( )
2. उल्लास विजय का हँसता मेरे मतवाले मन से । ( )
3. जग है असार सुनती हूँ मुझको सुख-सार दिखाता। ( )
4. मेरी आँखों के आगे सुख का सागर लहराता ( )

नीचे दी गयीं पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए।

1. हँस-हँस जीवन में कैसे करती है चिंता क्रीड़ा?
2. मेरी आँखों के आगे सुख का सागर लहराता।
3. सुख भरे सुनहरे बादल रहते हैं मुझको घेरे।
4. विश्वास, प्रेम, साहस जीवन के साथी मेरे।

XEQ56U

नीचे दिया गया पद्यांश पढ़कर इसका भाव अपने शब्दों में लिखिए।

बार-बार आती है मुझको,
मधुर याद बचपन तेरी।
गया ले गया जीवन की,
सबसे मस्त खुशी मेरी।।

SCERT ANDHRA PRADESH

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) पाठ के आधार पर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. कवयित्री ने जीवन में हँसने को क्यों महत्व दिया है?
2. आपको यह संसार कैसा लगता है?
3. अपने जीवन को खुशहाल कैसे बनाया जा सकता है?
4. कवयित्री ने जीवन का साथी किसे बताया है और क्यों?

(आ) 'मेरा जीवन' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) इस कविता को 'आत्मकथा' के रूप में लिखिए।

(ई) विश्वास, प्रेम और साहस का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। इस पर अपने विचार लिखिए।

भाषा की बात

(अ) निम्न शब्दों पर ध्यान दीजिए।

सुख का सार	-	सुख सार
बिना किसी अंतर के	-	निरंतर
हर एक क्षण	-	प्रतिक्षण
सुख और दुख	-	सुख-दुख
जो कानों को मधुर लगें	-	कर्णमधुर

इस तरह दो या उससे अधिक शब्दों के मेल से बने शब्द को समास कहते हैं।

समास के प्रकार

अव्ययीभाव समास	-	प्रतिक्षण, निरंतर
कर्मधारय समास	-	स्वर्णसूत्र, सुनहले बादल
तत्पुरुष समास	-	सुखसार, सुखसागर
द्वंद्व समास	-	सुख-दुख, आशा-निराशा
द्विगु समास	-	चौराहा, त्रिभुज
बहुव्रिहि समास	-	गोपाल, पंकज

नीचे दिये गये शब्दों को सामासिक रूप में बताइए।

माता और पिता	घर-घर	राजा का भवन
कीचड़ में जन्म लेने वाला	तीन भुजाएँ	अग्नि जैसा क्रोध

परियोजना कार्य

सुभद्रा कुमारी चौहान की कोई एक कविता संग्रहीत कीजिए।

जीवन एक वरदान है। इसका हमें सदुपयोग करना चाहिए।

इकाई-III

8. यक्ष प्रश्न

- ईश्वर क्या है?
- जन्म के पहले हम क्या थे?
- मृत्यु के बाद हमारा क्या होगा?
- ईश्वर अगर है तो क्या उसे देखा जा सकता है?

- स्वामी विवेकानंद

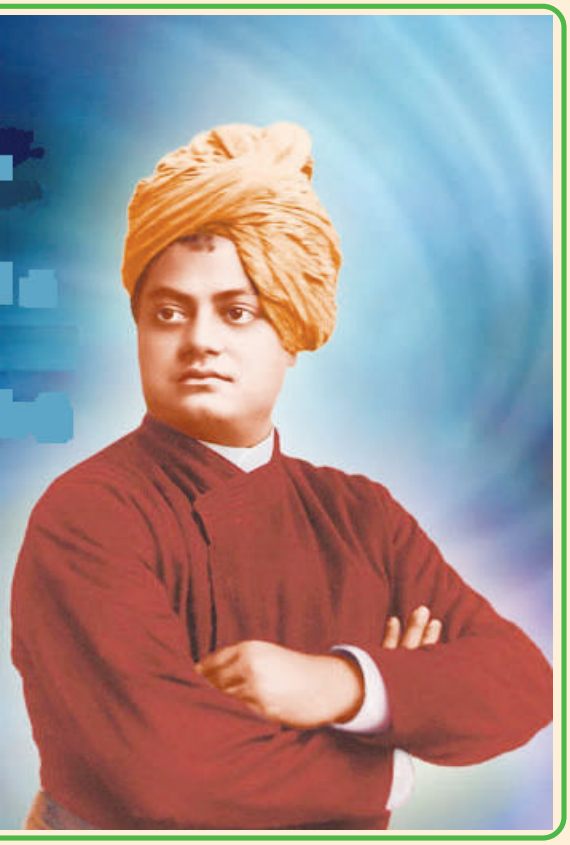

प्रश्न

1. ये प्रश्न किस के मन में उत्पन्न हुए थे?
2. स्वामी विवेकानंद ने इन प्रश्नों का उत्तर किस से पूछा होगा?
3. इनके जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है?

XETRUR

उद्देश्य

जिज्ञासा व दार्शनिक प्रश्नों के माध्यम से बौद्धिक विकास करना-

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

यह घटना महाभारत काल की है। उस समय पांडव द्रौपदी सहित बारह वर्ष के वनवास पर थे। एक दिन अचानक एक ब्राह्मण पांडवों के पास आया। वह अपनी व्यथा सुनाते हुए कहने लगा, ''एक हिरण मेरी अरणी की लकड़ी लेकर भाग गया। अब मेरे पास यज्ञ की अग्नि पैदा करने के लिए दूसरी लकड़ी नहीं है। कृपया मेरी लकड़ी वापस दिला दो।''

पांडव ब्राह्मण की व्यथा से प्रभावित हुए। इसलिए वे हिरण की खोज में निकल पड़े। थोड़ी दूर जाने पर उन्हें हिरण दिखायी दिया। उसे पकड़ने के लिए वे आगे बढ़े परंतु हिरण उनकी आँखों से पुनः ग़ायब हो गया। हिरण की खोज में भटकते हुए वे थक गये और विश्राम के लिए एक वृक्ष के नीचे बैठ गये। प्यास के मारे सभी के कंठ सूख रहे थे। युधिष्ठिर ने नकुल को पानी की तलाश में भेजा। नकुल पानी की खोज में निकला और चलते-चलते एक सरोवर के पास पहुँचा। सरोवर देखकर उसका मन प्रफुल्लित हो उठा। वह सोचने लगा कि क्यों न मैं पहले अपनी प्यास बुझा लूँ। वह पानी पीने के लिए उद्यत ही हुआ था कि सहसा एक आवाज़ गूँज उठी, ''ऐ नकुल, पानी पीने का दुस्साहस न करें। सावधान! पहले मेरे प्रश्नों के उत्तर दो।'' नकुल चेतावनी की परवाह न करके पानी पीने लगा। पानी पीते ही वह भूमि पर गिर पड़ा। बहुत देर तक नकुल के न लौटने पर युधिष्ठिर को चिंता सताने लगी। उन्होंने उसकी खोज में बारी-बारी से सहदेव, अर्जुन और भीम को भेजा। यक्ष की चेतावनी की उपेक्षा करते हुए सभी ने सरोवर तट पर प्यास बुझाने का प्रयास किया और नकुल की भाँति धरा पर गिर गये। जब कोई भी लौटकर न आया तो युधिष्ठिर स्वयं चिंतित अवस्था में उनकी खोज में निकल पड़े। तृषा से व्याकुल युधिष्ठिर पहले अपनी प्यास शांत करने के लिए सरोवर की ओर गये। वहीं युधिष्ठिर को अपने भाई धरा पर पड़े दिखायी दिये। जैसे ही वे आगे बढ़े तो उन्हें भी वही आवाज़ सुनायी दी। सावधान! तुम्हारे भाइयों ने मेरी चेतावनी की ओर ध्यान नहीं दिया। इसलिए उनकी यह दशा हुई। यदि तुम पानी पीना चाहते हो तो पहले मेरे प्रश्नों के उत्तर दो, फिर अपनी प्यास बुझाना। युधिष्ठिर ने कहा श्रीमान! आप

SCERT ANDHRA PRADESH

प्रश्न कीजिए, मैं उत्तर देने के लिए तैयार हूँ।

यक्ष – मनुष्य का साथ कौन देता है?

युधिष्ठिर – धैर्य ही मनुष्य का साथ देता है।

यक्ष – वह कौन-सा शास्त्र है, जिसका अध्ययन करके मनुष्य बुद्धिमान बनता है?

युधिष्ठिर – कोई भी शास्त्र ऐसा नहीं है। महान लोगों की संगति से ही मनुष्य बुद्धिमान बनता है।

यक्ष – भूमि से भारी चीज़ क्या है?

युधिष्ठिर – संतान को कोख में धारण करनेवाली माता भूमि से भी भारी होती है।

यक्ष – आकाश से भी ऊँचा कौन है?

युधिष्ठिर – पिता।

यक्ष – हवा से भी तेज़ चलनेवाला कौन है?

युधिष्ठिर – मन।

यक्ष – विदेश जानेवाले का साथी कौन होता है?

युधिष्ठिर – विद्या।

यक्ष – मरणासन्न वृद्ध का मित्र कौन होता है?

युधिष्ठिर – दान, क्योंकि वही मृत्यु के बाद अकेले चलने वाले जीव के साथ-साथ चलता है।

यक्ष – सुख क्या है?

युधिष्ठिर – जो शील और सच्चरित्र पर स्थित है।

यक्ष – सबसे तुच्छ क्या है?

युधिष्ठिर – चिंता

यक्ष – किसके छूट जाने पर मनुष्य सर्वप्रिय बनता है?

युधिष्ठिर – अहंभाव के छूट जाने पर।

SCERT ANDHRA PRADESH

इसी प्रकार यक्ष ने कई अन्य प्रश्न भी किये और युधिष्ठिर ने उन सबके ठीक-ठीक उत्तर दिये। अंत में यक्ष बोला- ''राजन्! मैं तुम्हारे मृत भाइयों में से एक को जीवित कर सकता हूँ। तुम जिस किसी को भी चाहो, वह जीवित हो जाएगा।''

युधिष्ठिर ने पलभर सोचा कि किसे जीवित कराऊँ? थोड़ी देर रुककर बोले- ''मेरा छोटा भाई नकुल जी उठें।''

युधिष्ठिर के इस प्रकार बोलते ही उन्होंने पूछा - ''युधिष्ठिर! दस हज़ार हाथियों के बलवाले भीमसेन को छोड़कर तुमने नकुल को जीवित करवाना क्यों ठीक समझा?''

युधिष्ठिर ने कहा- ''यक्षराज! मैंने जो नकुल को जीवित करवाना चाहा, वह सिर्फ़ इसी कारण कि माता कुंती का बचा हुआ एक पुत्र मैं हूँ, मैं चाहता हूँ कि माता माद्री का भी एक पुत्र जीवित हो उठे। अतः आप कृपा करके नकुल को जीवित कर दें।''

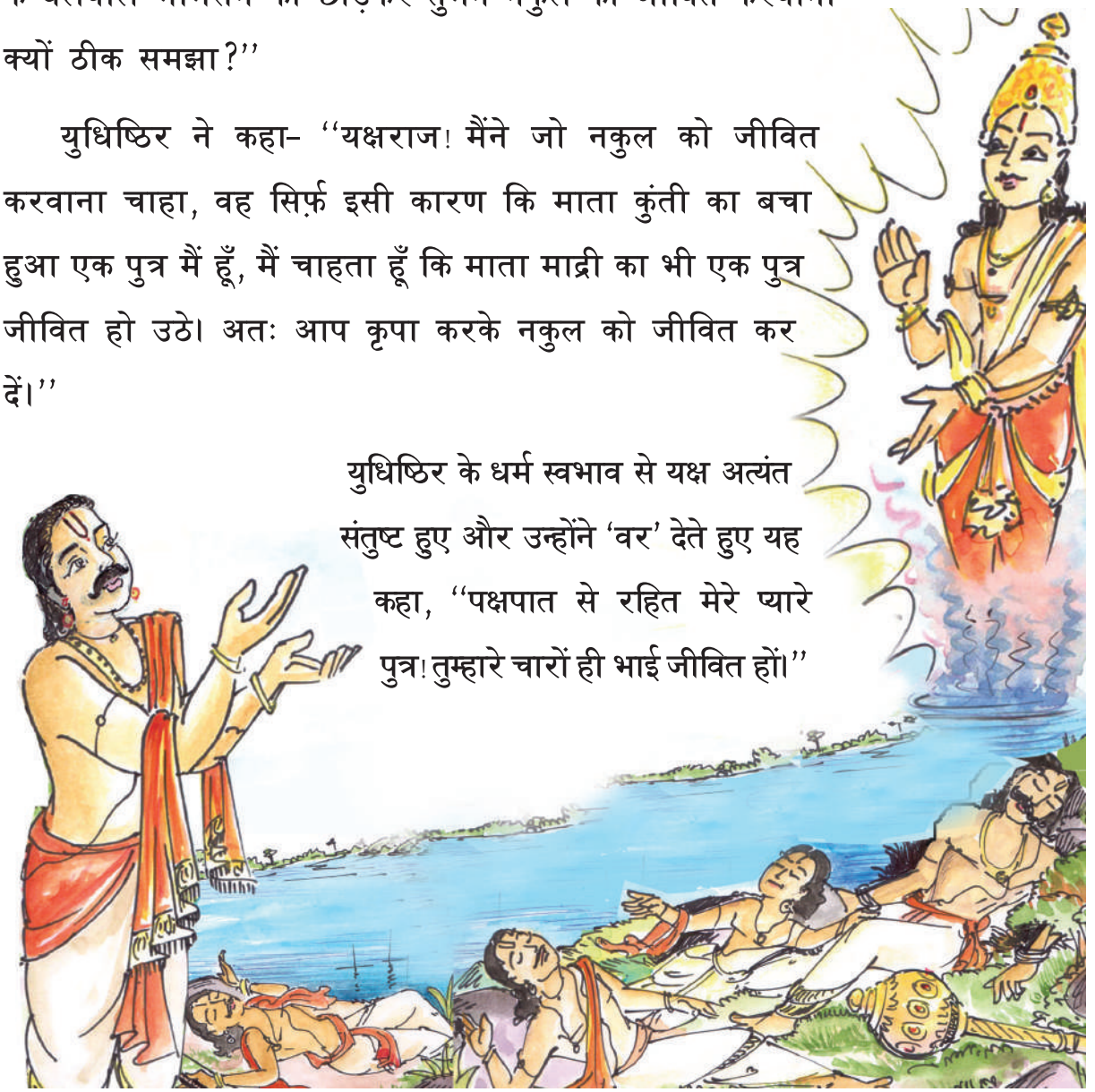

युधिष्ठिर के धर्म स्वभाव से यक्ष अत्यंत संतुष्ट हुए और उन्होंने 'वर' देते हुए यह कहा, ''पक्षपात से रहित मेरे प्यारे पुत्र! तुम्हारे चारों ही भाई जीवित हों।''

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर सोचकर दीजिए।

1. युधिष्ठिर के बारे में बताइए।
2. युधिष्ठिर की जगह तुम होते तो किसे जीवित करवाना चाहते और क्यों?

(आ) पाठ पढ़िए। उत्तर दीजिए।

- **पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए।**

1. युधिष्ठिर ने नकुल को पानी की तलाश में भेजा। ( )
2. पक्षपात से रहित मेरे प्यारे पुत्र! तुम्हारे चारों ही भाई जीवित हो। ( )
3. तुम जिस किसी को भी चाहो, वह जीवित हो जाएगा। ( )
4. पांडव ब्राह्मण की व्यथा से प्रभावित हुए। (1)

- **प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए।**

रानी सुदेष्णा का भाई कीचक बड़ा ही बलिष्ठ और प्रतापी वीर था। मत्स्य देश की सेना का वही नायक बना हुआ था। उसने अपने कुल के लोगों को साथ लेकर मत्स्याधिपति बूढ़े विराटराज की सत्ता पर अप्रत्यक्ष रूप से अधिकार कर लिया था। कीचक की धाक लोगों में ऐसी बनी हुई थी कि लोग कहा करते थे कि मत्स्य देश का राजा तो कीचक ही है।

1. रानी सुदेष्णा का भाई कौन था? ( )
   (अ) युधिष्ठिर (आ) कीचक (इ) विराटराज (ई) हनुमान
2. विराट किस देश के राजा थे? ( )
   (अ) मगधराज (आ) पांचाल (इ) मत्स्य देश (ई) वैदेह
3. देश की सेना का नायक कौन बना हुआ था? ( )
   (अ) कीचक (आ) विराटराज (इ) भीम (ई) हनुमान

- **इन प्रश्नों के उत्तर तीन वाक्यों में दीजिए।**

1. ब्राह्मण पांडवों के पास आकर कौन सी व्यथा सुनाने लगा?
2. युधिष्ठिर को सरोवर के पास कौनसी चेतावनी सुनायी दी?
3. युधिष्ठिर ने नकुल को जीवित करवाने का अनुरोध क्यों किया?
4. यक्ष ने युधिष्ठिर के सद्गुणों से मुग्ध होकर कौन-सा वर दिया?

XF3MWE

SCERT ANDHRA PRADESH

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. धैर्य ही मनुष्य का साथ देता है। कैसे?
2. अच्छी संगति से क्या लाभ होते हैं?
3. नकुल के लिए जीवनदान माँगकर युधिष्ठिर ने सही किया या गलत? अपने उत्तर का कारण बताइए।

(आ)यक्ष के किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर अपने दृष्टिकोण के आधार पर लिखिए।

(इ) यदि यक्ष के स्थान पर आप होते तो कौन-कौन से प्रश्न पूछते?

(ई) 'यक्ष प्रश्न' पाठ आपको क्यों अच्छा लगा? अपने शब्दों में लिखिए।

भाषा की बात

(अ) इन शब्दों के अर्थ बताइए। वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. तृषा 2. अग्रसर 3. चेतावनी 4. दुस्साहस 5. पक्षपात

(आ) पर्यायवाची शब्द पहचानकर रेखा खींचिए।

धरती	तात	जनक	बाप
पिता	खोज	अन्वेषण	आविष्कार
तलाश	वायु	पवन	समीर
हवा	भूमि	धरा	पृथ्वी

(इ) निम्न शब्दों पर ध्यान दीजिए। दो शब्दों के मेल में हुए विकार को समझिए।

उद्यंत	यद्यपि	दुस्साहस	निस्संदेह	निस्सार	मरणासन्न
पुस्तकालय	सच्चरित्र	सज्जनता	प्रत्यक्ष	प्रत्येक	प्रत्यंग
प्रत्युपकार	प्रत्युत्तर	अत्यंत	अत्याचार	अत्युत्साह	दिनांक

मरण	+	आसन्न	=	मरणासन्न	इस तरह दो वर्णों या ध्वनियों के विकार से होनेवाले विकार को संधि कहते हैं। संधि के प्रकार- 1. स्वर संधि, 2. व्यंजन संधि, 3. विसर्ग संधि
प्रति	+	अक्ष	=	प्रत्यक्ष	
सत्	+	चरित्र	=	सच्चरित्र	
दुः	+	साहस	=	दुस्साहस	

दो स्वरों के बीच विकार हो तो स्वर संधि कहते हैं। स्वर संधि के प्रकार -

1. दीर्घ संधि	जैसे-	पुस्तक + आलय = पुस्तकालय, कवि + इंद्र = कवींद्र, गुरु + उपदेश = गुरूपदेश,
2. गुण संधि	जैसे-	महा + ईश्वर = महेश्वर, पर + उपकार = परोपकार, महा + ऋषि = महर्षि,
3. वृद्धि संधि	जैसे-	एक + एक = एकैक, सुंदर + ओदन = सुंदरौदन महा + औषधि = महौषधि
4. यण संधि	जैसे-	प्रति + अक्ष = प्रत्यक्ष, सु + आगत = स्वागत मातृ + अनुमति = मात्रनुमति
5. अयादि संधि	जैसे-	ने + अन = नयन , भो + अन = भवन

व्यंजन संधि में व्यंजन के साथ स्वर या व्यंजन का मेल होता है। जैसे-

जगत् + ईश = जगदीश,	दिक् + गज = दिग्गज,	वि + सम = विषम
वाक् + ईश = वागीश,	सत् + जन = सज्जन,	षट् + दर्शन = षड्दर्शन

विसर्ग संधि में विसर्ग का परिवर्तन समझिए-

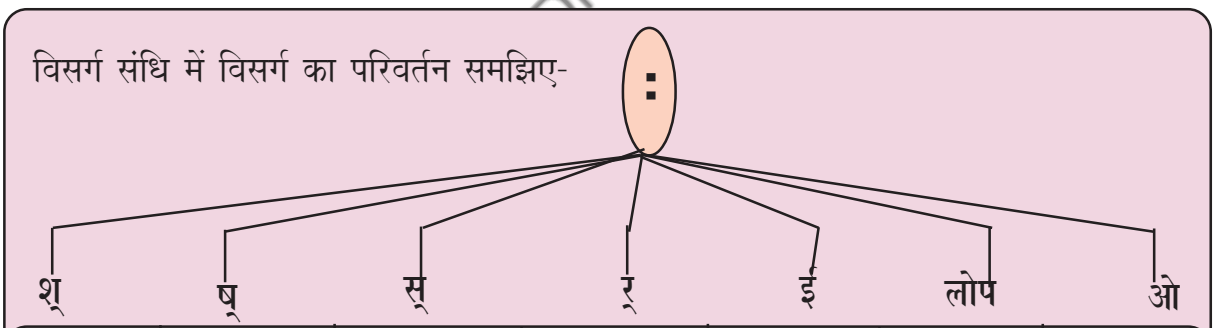

निः + चल निश्चल	निः + कपट निष्कपट	निः + संदेह निस्संदेह	निः + भय निर्भय	निः + रस नीरस	निः + शुल्क निशुल्क	**मनः + रंजन** मनोरंजन

परियोजना कार्य

पंचतंत्र की नीतिप्रद कहानियों में से किसी एक कहानी का संग्रह कीजिए।

जो कर्त्तव्य से बचता है, लाभ से वंचित रहता है। - पार्कर

इकाई-III

9. रमज़ान

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. देश के विकास के लिए एकता का क्या महत्व है?
3. हम धार्मिक सद्भावना कैसे बढ़ा सकते हैं?

XF59L8

उददेश्य

त्यौहार मानवता का संदेश देते हैं। ऐसे ही रमज़ान भी शांति, अहिंसा, त्याग, परोपकार, न्याय, धर्म आदि गुणों का विकास करता है। इस पाठ के द्वारा छात्रों में संस्कृति और सद्भावना का विकास करना है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

भारत प्राचीन और विशाल देश है। यहाँ अनेक धर्मों व जातियों के लोग रहते हैं। सभी धर्मों के लोग विविध प्रकार से उत्सव व त्यौहार मनाते हैं। ये त्यौहार समाज में खुशी और सजगता लाते हैं। ये भारतीय संस्कृति की शोभा में चार चाँद लगाते हैं। ऐसे ही महत्वपूर्ण त्यौहारों में से ''ईद-उल-फ़ितर'' भी एक है। इसे रमज़ान भी कहते हैं।

रमज़ान इस्लाम धर्म का प्रमुख त्यौहार है। वास्तव में रमज़ान इस्लाम धर्म के नौवें महीने का नाम है। इस्लाम धर्म के पाँच बुनियादी सिद्धांत हैं 1. तौहीद 2. नमाज़ 3. रोज़ा 4. ज़कात 5. हज। इनमें तीसरा सिद्धांत 'रोज़ा' है। इसे रमज़ान के महीने में अदा किया जाता है। यह इबादतों (प्रार्थनाओं) व बरकतों का महीना है। यह माना जाता है कि इसी महीने में पवित्र ग्रंथ 'कुरान-ए-शरीफ़' नाज़िल हुआ है।

इस्लामी महीना चाँद के निकलने से शुरू होता है। रमज़ान का चाँद निकलने पर इसकी सूचना विविध प्रकार से दी जाती है। रमज़ान मास की सूचना मिलते ही मुसलमान भाई रोज़ों की तैयारियों में लग जाते हैं और रमज़ान के महीने भर रोज़े रखते हैं। रोज़ा यानि उपवास है। रोज़ा रखने के लिए सूर्योदय से लगभग डेढ़ घंटा पहले आहार लिया जाता है। इसे 'सहरी' कहते हैं। सहरी के बाद से उपवास आरंभ होता है। उपवास में पानी तक पीना मना है। इस तरह रोज़ा रखकर दैनिक कार्य करते हुए मन को अल्लाह की इबादत में लगाना रमज़ान का मुख्य उद्देश्य है।

रोज़ा रखने से मनुष्य स्वस्थ व चुस्त बना रहता है और उसमें आत्मसंयम, आत्मनियंत्रण, आत्मविश्वास, आत्मानुशासन आदि गुण विकसित होते हैं।जिससे मानवता व सामाजिकता की भावनाएँ बढ़ती हैं। अपने कर्त्तव्यों का बोध होता है। गरीबों के दुख-दर्दों का अनुभव किया जाता है और उनकी सहायता की जाती है।

रोज़ा सूर्यास्त के साथ ही खजूर, फल, मेवा, पानी आदि से खोला जाता है। इसे इफ़तार कहते हैं। कई स्थानों पर इफ़तार की दावत भी रखी जाती है जिससे भाईचारे का विकास होता है। रमज़ान में पाँच फ़र्ज़ नमाज़ों के साथ-साथ विशेष नमाज़ 'तरावीह' होती है। इसमें मुख्य रूप से कुरान-ए-शरीफ़ का संपूर्ण पाठ-पठन किया जाता है। अधिकतर लोग इसी महीने में 'ज़कात' देते हैं। वे अपनी संपत्ति, सोना, चाँदी,

SCERT ANDHRA PRADESH

धन, वार्षिक आय आदि पर ढ़ाई प्रतिशत धन निकालकर गरीबों या ज़रूरतमंदों में बाँटते हैं। इस तरह किया जाने वाला दान ही 'ज़कात' कहलाता है। इसके साथ-साथ ईद की नमाज़ से पहले 'फ़ितरा' (दान) भी देना ज़रूरी है। इसलिए भी इसे ईद-उल-फ़ितर कहा जाता है। इस तरह रमज़ान के महीने में चारों ओर परोपकार की भावना छा जाती है। जिससे सबको मानव सेवा के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इसी महीने में 'शब-ए-क़दर' जागने की रात होती है। यह एक महत्वपूर्ण इबादतों की रात है। इसलिए बच्चे-बच्चे भी बड़ों के साथ रात भर जागते हुए इबादतों में लीन होते हैं। रमज़ान की विशेषताओं में 'एतेकाफ़' भी एक है। मसजिद में ही रहकर अल्लाह की इबादत में लीन होना 'एतेकाफ़' है। इस महीने में विशेष रूप से दुआएँ माँगी जाती हैं, जिनमें विश्वकल्याण की भावना होती है।

रमज़ान के रोज़े पूरे होते ही अगले दिन ईद-उल-फ़ितर मनाते हैं। यह शव्वाल के महीने का पहला दिन होता है। ईद के दिन सब नये कपड़े पहनते हैं, इत्र लगाते हैं। विशेष रूप से शीरख़ुर्मा (सेवइयाँ) बनाते हैं। ईद की नमाज़ ईदगाह में पढ़ते हैं। नमाज़ में छोटे-बड़े, अमीर-ग़रीब, सब एक साथ मिलकर पंक्तियों में खड़े होते हैं। यह दृश्य देखने लायक़ होता है। नमाज़ होने के बाद गले मिलते हुए ईद मुबारक कहते हैं। इस खुशी में विविध धर्मों के लोग भी भाग लेते हैं और ईद की शुभकामनाएँ देते हैं। इस तरह धार्मिक सद्भावना से वहाँ के वातावरण की शोभा और भी बढ़ जाती है।

रमज़ान पर्व का सामाजिक दृष्टि से भी महत्व है। व्यापार में भी वृद्धि होती है। कई व्यवसाय वालों को जीविका मिलती है। यह त्यौहार शांति, अहिंसा, त्याग, परोपकार, न्याय, धर्म आदि गुणों का विकास करता है और हमें मानवता के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा देता है। उपवासों का यह पावन पर्व हमें सद्भावना के सूत्र में बाँधकर मानव कल्याण का संदेश देता है।

XF8WA5

DHRAPRADESH

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर सोचकर लिखिए।

1. सद्भावना के विकास में त्यौहारों का क्या महत्व है?
2. त्यौहार मनाने में बच्चों की खुशियाँ कैसी होती हैं?
3. 'मानव सेवा ही माधव सेवा है।' इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(आ) पाठ पढ़िए। अभ्यास-कार्य कीजिए।

- **पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए।**

1. सभी धर्मों के लोग विविध प्रकार के उत्सव व त्यौहार मनाते हैं। ( )
2. यहाँ अनेक धर्मों व जातियों के लोग रहते हैं। ( )
3. ये त्यौहार समाज में खुशी और सजगता लाते हैं। ( )
4. भारत प्राचीन और विशाल देश है। (1)

- **इन वाक्यों के भाव स्पष्ट कीजिए।**

1. नागरिकता और सामाजिकता की भावनाएँ बढ़ती हैं।
2. उपवासों का यह पावन पर्व हमें मानव कल्याण का संदेश देता है।

- **नीचे दी गयी पंक्तियाँ पढ़िए। प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

सूरज चाँद सितारों वाली
हमदर्दी की प्यारी-प्यारी, ईद मुबारक।
हमको, तुमको, सबको अपनी,
मीठी-मीठी ईद मुबारक।।

XFCIY2

प्रश्न

1. सूरज चाँद सितारों वाली क्या है?
2. ईद कैसी होती है?
3. किस-किस को ''ईद मुबारक'' की शुभकामनाएँ दी गयी हैं?

(इ) निम्नलिखित इस्लामी महीनों के नाम पढ़िए और समझिए।

1. मुहर्रम	2. सफ़र	3. रबि-उल-अव्वल
4. रबि-उस-सानि	5. जमादि-उल-अव्वल	6. जमादि-उस-सानि
7. रज्जब	8. शाबान	9. रमज़ान
10. शव्वाल	11. ज़िलखदा	12. ज़िलहज्ज

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. रमज़ान का त्यौहार विश्व कल्याण की भावना को बढ़ाने में सहायक है। कैसे?

SCERT ANDHRA PRADESH

2. रमज़ान के त्यौहार के पीछे चाँद और सूरज की क्या भूमिका होती है?
3. त्यौहार किस तरह समाज में खुशी और सजगता लाते हैं?

(आ) पाठ में रमज़ान के त्यौहार के बारे में बताया गया है। आप किसी त्यौहार के बारे में निबंध लिखिए।

(इ) किसी त्यौहार की शुभकामनाएँ देते हुए तीन संक्षिप्त संदेश (एस.एम.एस) लिखिए।

(ई) आत्मसंयम और अनुशासन का हमारे जीवन में क्या महत्व है? बताइए।

भाषा की बात

(अ) वाक्य पढ़िए। भेद समझिए।

1. रोज़े रखते हैं।	-	रोज़े रखे जाते हैं।
2. बच्चे खुशी मनाते हैं।	-	बच्चों के द्वारा खुशी मनायी जाती है।
3. ईद का चाँद देखते हैं।	-	ईद का चाँद देखा जाता है।
4. इसे सहरी कहते हैं।	-	इसे सहरी कहा जाता है।
5. लड़के ने रोटी खायी।	-	लड़के से रोटी खायी गयी।
6. लड़का रोटी खाता है।	-	लड़के से रोटी खायी जाती है।
7. लड़का दौड़ नहीं सकता।	-	लड़के से दौड़ा नहीं जाता।

ऊपर दिये गये वाक्यों में कुछ क्रियाएँ कर्ता के अनुसार हैं। और कुछ कर्म के अनुसार हैं। इन्हीं में कुछ क्रियाएँ क्रिया भाव के अनुसार हैं। इस तरह वाक्य के रूप को वाच्य कहते हैं।

वाच्य के प्रकार -

कर्तृवाच्य	कर्मवाच्य	भाववाच्य
कर्ता के अनुसार क्रिया हो और वाक्य में कर्ता प्रधान हो। जैसे- **लड़का रोटी खाता है।**	कर्म के अनुसार क्रिया हो और वाक्य में कर्म प्रधान हो। जैसे- **लड़के से रोटी खायी जाती है।**	क्रिया के भाव के अनुसार क्रिया हो और वाक्य में क्रिया का भाव प्रधान हो। जैसे- **लड़के से दौड़ा नहीं जाता।**

परियोजना कार्य

1. **किसी एक व्यंजन बनाने की विधि पता कीजिए और लिखिए।**
   (अ) उगादि पच्चड़ी (आ) शीरख़ुर्मा (इ) क्रिसमस केक

मनुष्य उत्सवप्रिय होता है। - महाकवि कालिदास

उपवाचक

बुद्धिमान बालक

मगध की राजधानी पाटलीपुत्र में राज-दरबार का मुख्य कक्ष। सम्राट महापद्मानंद एक सुसज्जित सिंहासन पर बैठे हैं। सभी अधिकारी तथा दरबारी अपने-अपने स्थानों पर विराजमान हैं। दरबार दर्शकों से भरा हुआ है। एक ओर लोहे का बड़ा-सा पिंजरा रखा है, पिंजरे में एक सिंह है, जिसके दरवाज़े पर ताला लगा है।

सम्राट : महामंत्री!

महामंत्री : आज्ञा महाराज।

सम्राट : क्या सारी व्यवस्था पूरी हो चुकी है?

महामंत्री : जी महाराज! यदि आज्ञा हो तो घोषणा करवा दी जाय।

सम्राट : आज्ञा है।

महामंत्री : प्रतिहारी!

प्रतिहारी : (अभिवादन करता है) आज्ञा मंत्रिवर।

महामंत्री : मगध नरेश की घोषणा दरबार में पढ़ी जाए।

प्रतिहारी : जो आज्ञा महाराज। (ऊँचे स्वर में पढ़ना आरंभ करता है।)

'' सभी सभासदो एवं नागरिको! सम्राट महा पद्मानंद की ओर से यह घोषणा की जाती है कि जो व्यक्ति बिना ताला तोड़े, बिना पिंजरा खोले सामने रखे पिंजरे में से सिंह को ग़ायब कर देगा, उसे मुँह माँगा इनाम दिया जायेगा। उसका सम्मान भी किया जायेगा। जो भी व्यक्ति अपना भाग्य आज़माना चाहे वह आगे आ सकता है।''

(सभा-कक्ष में सन्नाटा छा जाता है।)

एक सभासद : महाराज के पराक्रम की जय हो। क्या यह संभव हो सकता है कि बिना पिंजरा खोले सिंह को ग़ायब कर दिया जाए।

महामंत्री : महाराज का आदेश समस्या सुलझाने के लिए है, तर्क करने के लिए नहीं, यह बुद्धि की परीक्षा है। बुद्धिमान और कुशल व्यक्ति ही ऐसा कर सकेगा, यही हमारा विश्वास है।

दूसरा सभासद : मान्यवर, इस असंभव कार्य को तो परमेश्वर ही संभव कर सकता है। हमें तो लगता है कि यह कार्य ईश्वर के अलावा किसी अन्य के बस की बात नहीं।

महामंत्री : ईश्वर की दी हुई प्रतिभा सभी में निवास करती है। हो सकता है कि कोई प्रतिभावान व्यक्ति इस असंभव कार्य को संभव बना दें।

जन-समुदाय : यदि सिंह बाहर आ गया तो निश्चय ही हम सब को खा जायेगा। आप

SCERT ANDHRA PRADESH

इसे बाहर न आने दें। बुद्धि-परीक्षा किसी और तरह से भी हो सकती है। यही हमारी प्रार्थना है।

सम्राट : यह समस्या मगध राज्य के बुद्धिमानों को पड़ोसी राज्य की ओर से दी गई एक चुनौती है। घबराने की कोई बात नहीं। सभी की सुरक्षा के प्रबंध कर दिए गए हैं। आप शांति से समस्या का समाधान ढूँढ़ें।

(कुछ समय तक सभा कक्ष में सन्नाटा छा जाता है।)

सम्राट : तो क्या मैं यह समझ लूँ कि मगध में प्रतिभा की कमी है? बुद्धिमत्ता का अभाव है?

बालक : महाराज की जय। मैं यह कार्य कर सकता हूँ। महाराज मुझे सिंह को ग़ायब करने की अनुमति दीजिए।

(सभी विस्मय से बालक की ओर देखते हैं।)

महामंत्री : निडर बालक! तुम्हारा नाम क्या है?

बालक : मुझे चन्द्र कहते हैं, श्रीमान।

महामंत्री : चन्द्र! यह बच्चों का खेल नहीं है। तुम जाओ और बच्चों के खेल खेलो। उछलो, कूदो और दौड़ो। यह कोई साधारण खेल नहीं, बुद्धि का खेल है।

बालक : महामंत्री! क्या इस प्रतियोगिता में आपने कोई आयु सीमा भी रखी है?

ANDHRA PRADESH

महामंत्री : (हँसकर) वत्स, सुई तलवार का कार्य नहीं कर सकती।

बालक : महोदय, तो तलवार भी सुई का स्थान नहीं ले सकती।

सम्राट : यह बालक कौन है? जो इतना बढ़-चढ़कर बातें कर रहा है!

महामंत्री : महाराज यह एक हठी बालक है।

सम्राट : बालक हठ मत करो। नहीं तो तुम्हें सिंह के पिंजरे में बंद कर दिया जायेगा।

(बालक की माँ अपने पुत्र को एक ओर खींचने का प्रयास करती है परन्तु बालक अपना हाथ छुड़ाकर पिंजरे की ओर बढ़ता है।)

बालक : महाराज, यदि मैं समस्या का समाधान न ढूँढ़ सका तो आप जो चाहे दंड दें।

मुझे पिंजरे के पास जाने की अनुमति दीजिए।

सम्राट : खुशी से जा सकते हो। (बालक पिंजरे के पास जाकर सिंह को ध्यान से देखता है और अपनी बुद्धि लड़ाता है। सिंह का रहस्य वह जान लेता है। दरबार में सब चकित हो कर देख रहे थे। सब में कुतूहलता थी कि आगे क्या होने वाला है।)

बालक : महाराज, मैं सिंह को बाहर निकाल दूँगा। आप कृपया पिंजरे के चारों ओर आग जलाने का प्रबन्ध करवा दें और मुझे कुछ समय तक अपना कार्य करने दें।

(सम्राट के आदेशानुसार पिंजरे के चारों ओर आग लगा दी जाती है। पिंजरा आग की लपटों में घिर जाता है। देखते ही देखते शेर ग़ायब हो जाता है। आग की लपटें धीरे-धीरे शांत हो जाती हैं। सभी लोग अपने-अपने स्थान से यह विस्मयकारी दृश्य देख कर दंग रह जाते हैं। पिंजरा खाली हो जाता है।)

बालक : देख लीजिए महाराज, सिंह पिंजरे से अदृश्य हो चुका है और पिंजरे का ताला जैसे का वैसा ही है।

सम्राट : वाह! बहुत ख़ूब। चन्द्र तुमने तो कमाल कर दिया। तुमने अपनी बुद्धि से सिंह के निर्माण की पहचान कर उसे आग की गर्मी से पिघला दिया।

प्रश्न

1. सिंह किससे बना हुआ था?
2. बालक चन्द्र ने सिंह को कैसे ग़ायब किया?
3. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

SCERT ANDHRAPRADESH

इकाई–IV

10. अमर वाणी

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो झटकाय।

टूटे से फिर ना जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. यहाँ हाथों से क्या किया जा रहा है?
3. जीवन में दोस्ती का क्या महत्व है?

XFE5MV

उद्देश्य

नैतिक भावनाओं से जीवन मूल्यों का विकास करना-

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

कवि	: कबीर दास
जीवन काल	: 1398-1518
रचनाएँ	: बीजक
विशेषताएँ	: ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि

दुःख में सुमिरन सब करे, सुख में करे न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे, दुःख काहे को होय।।

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचै सौ घड़ा, ऋतु आये फल होय।।

साई इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु न भूखा जाय।

कवि	: वृंद (वृंदावन दास)
जीवन काल	: 1643-1723
रचनाएँ	: वृंद सतसई
विशेषताएँ	: नीतिपरक दोहों के लिए प्रसिद्ध

उत्तम जन के संग में, सहजे ही सुखभासि।
जैसे नृप लावै इतर, लेत सभा जनवासि।।

करै बुराई सुख चहै, कैसे पावै कोइ।
रोपै बिरवा आक को, आम कहाँ तें होइ।।

करत-करत अभ्यास ते, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात तें, सिल पर परत निसान।

XFHSBS

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर सोचकर दीजिए।

1. कुछ प्रमुख हिंदी कवियों के नाम बताइए।
2. कबीर के बारे में बताइए।
3. अभ्यास का क्या महत्व है?

XFLEZP

(आ) पाठ पढ़कर उत्तर दीजिए।

- **भाव से संबंधित दोहा लिखिए।**

1. सुख में ईश्वर का ध्यान रखनेवाले को दुख नहीं होता।
2. सज्जन के साथ रहने से सुख मिलता है।

(इ) दोहा पढ़िए। भाव अपने शब्दों में बताइए।

1. धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
   माली सींचै सौ घड़ा, ऋतु आये फल होय।।

SCERT ANDHRA PRADESH

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) प्रश्नोत्तर

1. कबीर की दृष्टि में- ''किसी काम को धीरे-धीरे करना'' इसका क्या तात्पर्य है?
2. हमें किन प्रयत्नों से सफ़लता मिल सकती है?
3. भगवान का स्मरण कब करना चाहिए? क्यों?

(आ) तुलना कीजिए।

कबीर व वृन्द के दोहों में क्या अंतर स्पष्ट होता है?

(इ) कुछ नीति संबंधी नारे लिखिए।

(ई) कबीर और रहीम के दोहे हमारे जीवन को किस प्रकार प्रभावित करते हैं? बताइए।

भाषा की बात

'जड़मति' शब्द जड़ और मति शब्दों के जोड़ने पर बना है। ऐसे ही कुछ और शब्द बनाइए।

परियोजना कार्य

कुछ दोहे संकलित कीजिए।

बालकों का सर्वांगीण विकास ही शिक्षा है। - महात्मा गाँधी

इकाई-IV

11. सुनीता विलियम्स

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. अंतरिक्ष किसे कहते हैं? वहाँ कैसे पहुँच सकते हैं?
3. इस चित्र से हमें क्या संदेश मिलता है?

XFN1PI

उद्देश्य

श्रद्धा और लगन से मेहनत करनी चाहिए। ऐसे ही लगन और परिश्रम से सुनीता ने अंतरिक्ष के रहस्यों का पता लगाया है और हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। जिससे हर बालिका को शिक्षित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

सुनीता 'अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र' पर क़दम रखने वाली पहली भारतीय महिला है। सुनीता ने किसी भी महिला द्वारा अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा लंबा समय बिताने (195 दिन) व अंतरिक्ष में चलने का रिकॉर्ड भी बनाया है। इसके साथ-साथ अंतरिक्ष प्रयोगशाला में ऐसे कई परीक्षण भी किए, जो भावी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। सुनीता ने इस साहसी अभियान में रुचि दिखा कर यह प्रमाणित कर दिया कि महिलाएँ भी पुरुषों से किसी भी तरह कम नहीं, वे बड़े से बड़े लक्ष्य को साकार करने का साहस रखती हैं। आइए, सुनीता विलियम्स से ही पूछते हैं कि उन्होंने ये कारनामे कैसे कर दिखाए-

प्रश्न- दुनिया में लाखों पायलट और वैज्ञानिक हैं। किंतु अमेरिका में बड़ी मुश्किल से 100 अंतरिक्ष यात्री हैं। वह कौन-सी चीज़ थी जिसने आपको अंतरिक्ष की दुनिया में क़दम रखने के लिए प्रेरित की?

उत्तर- बढ़िया प्रश्न है। जब मैं पाँच वर्ष की थी तो मैंने नील आर्मस्ट्रांग को चंद्रमा पर पहला क़दम रखते और चलते हुए देखा था। मैं इस दृश्य से बहुत प्रेरित हुई और मैंने उसी दिन यह बात ठान ली कि मुझे अंतरिक्ष यात्री बनना है। किंतु यह इतना आसान काम नहीं था। मेरिलैंड स्थित टेस्ट पायलेट स्कूल जाने तक अंतरिक्ष यात्री बनने का मेरा यह सपना, सपना ही रहा। मैंने जहाज़ और हेलिकॉप्टर के पायलट के रूप में अपना पेशा आरंभ किया। इसी दौरान मैं एक दिन जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र पहुँची। यहीं पर मेरी मुलाकात जॉन यंग से हुई। उन्होंने हेलिकॉप्टर और अंतरिक्ष यान की तुलना की। यह तुलना काफ़ी प्रेरणात्मक थी। मैंने शोध कर यह पता लगाया कि अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए क्या करना

SCERT ANDHRA PRA

चाहिए। मैंने इस क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त की और अंतरिक्ष की उड़ान के लिए मुझे बुलावा भी मिला। मैं अपने आपको बड़ी सौभाग्यशाली मानती हूँ कि मुझे यह सुनहरा अवसर मिला।

प्रश्न - आज आप एक सफल अंतरिक्ष यात्री हैं। जब आप अपने आपको देखती हैं तो आपके जीवन में मसाचुसेट्स शहर का क्या महत्व है यहाँ के लोगों ने किस तरह आपकी सहायता की?

उत्तर- हाँ! तो जैसा कि मैंने आपको बताया कि मेरा पालन-पोषण बॉस्टन के समीप हुआ। मैं जहाँ तैरने जाती थी वह प्रांत हार्वर्ड में पड़ता था। यह प्रांत कैंब्रिज क्षेत्र में है। इसलिए मैंने अपना बहुत सारा समय यहीं बिताया। मेरे पिता डॉक्टर हैं। वे हार्वर्ड मेडिकल स्कूल तथा बॉस्टन विश्वविद्यालय में पढ़ाते थे। यह क्षेत्र शिक्षा का गढ़ माना जाता है। यहाँ बहुत सारे शिक्षा केंद्र होने के कारण मेरी रुचि को असली पहचान मिली। यही कारण है कि आज जो मैं आपके सामने दिखायी दे रही हूँ, उसमें यहाँ के लोगों की प्रेरणा भी शामिल है।

SCERT ANDHRA PRADESH

प्रश्न- अपनी पढ़ाई के बारे में बताइए।

उत्तर- मैं पढ़ाई में श्रेष्ठ नहीं थी। औसत थी। स्नातक की पढ़ाई के बाद भाई को नेवी में भर्ती होते हुए देखा। मुझे भी प्रेरणा मिली। मुझे अपने लंबे-लंबे बालों की बड़ी चिंता थी। आज भी मेरे बाल वैसे ही हैं। मैं अपने बालों को कटाकर नेवी में भर्ती होना नहीं चाहती थी। मेरा नेवी में चयन हो गया। मेरी दृष्टि सटीक होने के कारण मुझे पायलट की नौकरी मिल गयी। मैं जेट पायलट बनना चाहती थी, किंतु मेरी यह इच्छा पूरी नहीं हुई। मुझे हेलिकॉप्टर पायलट से ही संतोष करना पड़ा। यहाँ पर मैंने बहुत कुछ सीखा। कई बार

विफल भी हुई। इससे मैं निराश नहीं हुई बल्कि मुझे और प्रेरणा मिली। उसी दिन मुझे लगा कि हर जीत के पीछे हार की प्रेरणा होती है।

प्रश्न- आप हेलिकॉप्टर पायलट से अंतरिक्ष यात्री कैसे बनीं?

उत्तर- जब मुझे किसी कारणवश टेस्ट स्कूल जाना पड़ा तो वहाँ मेरी मुलाकात जॉन यंग से हुई। उन्होंने ही मुझे प्रेरित किया। एक सामान्य हेलिकाप्टर पायलट से अंतरिक्ष यात्री बनने के सफ़र में उनका योगदान हमेशा याद रखने लायक़ है।

प्रश्न- अंतरिक्ष यात्री की उड़ान खतरों से भरी होती है। इतने खतरों में भी आपको उड़ान भरने की प्रेरणा कैसे मिलती है?

उत्तर- जैसे कि मैंने आपको पहले ही बताया है कि अंतरिक्ष यात्री बनना आसान काम नहीं है। स्वाभाविक है कि यह क्षेत्र खतरों से भरा पड़ा है। किंतु जब कभी कोई अंतरिक्ष यात्री उड़ान के लिए तैयार होता है, तो सारी दुनिया उसी की ओर देखती है। मेरे पिता भारत से हैं। मैं भारत संतति की अंतरिक्ष यात्री हूँ। हर भारतीय अपनी प्रार्थनाओं में मेरी सफ़लता की कामना कर रहा है। यही वे प्रार्थनाएँ हैं, जो व्यक्ति के साहस को दुगुना कर देती हैं।

प्रश्न- भारत के भावी नागरिकों के लिए आपका संदेश?

भारत प्रतिभावानों का देश है। यहाँ के गाँव-गाँव में भी प्रतिभाशाली बच्चे हैं। यहाँ की लड़कियाँ भी विशेष प्रतिभा रखती हैं। सब सुशिक्षित होकर आगे बढें और देश का नाम हमेशा ऊँचा रखें।

SCERT ANDHRA PRADESH

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर सोचकर बताइए।

1. अंतरिक्ष के बारे में बताइए।
2. अंतरिक्षयान के बारे में बताइए।
3. कुछ अंतरिक्ष यात्रियों के नाम बताइए।

XFVB2C

(आ) नीचे दी गयी पंक्तियाँ पूरी कीजिए।

1. जब मैं पाँच वर्ष की थी.....चलते हुए देखा।
2. हर भारतीय अपनी ..... कर रहा है।
3. उसी दिन लगा कि हर जीत..... प्रेरणा होती है।

(इ) अनुच्छेद पढ़िए। अनुच्छेद से संबंधित तीन प्रश्न बनाइए।

प्राचीन समय में मनुष्य गुफाओं, जंगलों व पहाड़ों में रहा करता था। तब वह अपने आप में अकेला था। धीरे-धीरे उसे आभास हुआ कि समुदाय या समाज में रहने वाला सुखी जीवन व्यतीत करता है। यहीं से उसने समाज की रचना की और सामाजिक प्राणी कहलाने लगा। यह सब एक-दूसरे के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान से ही संभव हो सका है। सूचना को समाज के विकास का मूल स्रोत कहा जा सकता है।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. भारत को प्रतिभावानों का देश क्यों कहा जाता है?
2. सुनीता विलियम्स ने ऐसा क्यों कहा कि हर जीत के पीछे हार की प्रेरणा होती है?
3. सुनीता विलियम्स से क्या प्रेरणा मिलती है?

(आ) 'सुनीता विलियम्स' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) यदि आप सुनीता विलियम्स का साक्षात्कार लेते तो क्या-क्या पूछते? लिखिए।

(ई) सुनीता विलियम्स की सफलताओं के लिए एक बधाई संदेश तैयार कीजिए।

भाषा की बात

(अ) वाक्य पढ़िए। क्रियाओं पर ध्यान दीजिए।

1. सुनीता विलियम्स देश का नाम ऊँचा करती हैं। 2. सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। 3. वैज्ञानिक अंतरिक्ष की खोज और भी करते होंगे।	इन वाक्यों से क्रिया का होना वर्तमान समय में बताया जाता है।

1. वैज्ञानिक अंतरिक्ष की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2. वैज्ञानिक अपनी खोज करते रहेंगे। 3. निकट भविष्य में संसार और भी विकास कर चुकेगा। 4. हम भी कुछ कर दिखायें।	इन वाक्यों से आने वाले समय में क्रिया होने वाली है, कहकर स्पष्ट होता है।

SCERT ANDHRA PRADESH

1. मैंने इसी क्षेत्र को पेशा बनाने की ठान ली। 2. मेरा पालन-पोषण बॉस्टन के समीप में हुआ है। 3. मैंने अंतरिक्ष यात्रा करनी चाही थी। 4. वैज्ञानिकों ने बहुत से आविष्कार किये होंगे। 5. इसे मैं एक छोटा शहर मानती थी। 6. हम सुनिता विलियम्स से मिलते तो बहुत खुश होते।	इन वाक्यों से क्रिया बीते हुए समय में पूरी हो चुकी है कहकर प्रतीत होता है।

भूतकाल	उदाहरण
1. सामान्य भूत	लड़के ने पुस्तक पढ़ी।
2. आसन्न भूत	लड़के ने पुस्तक पढ़ी है।
3. पूर्ण भूत	लड़के ने पुस्तक पढ़ी थी।
4. संदिग्ध भूत	लड़के ने पुस्तक पढ़ी होगी।
5. अपूर्ण भूत	लड़का पुस्तक पढ़ रहा था।
6. हेतु-हेतुमद् भूत	लड़के को पुस्तक मिलती तो पढ़ता।

वर्तमानकाल	उदाहरण
1. सामान्य वर्तमान	लड़का पुस्तक पढ़ता है।
2. अपूर्ण वर्तमान	लड़का पुस्तक पढ़ रहा है।
3. संदिग्ध वर्तमान	लड़का पुस्तक पढ़ रहा होगा।

भविष्यकाल	उदाहरण
1. सामान्य भविष्य	लड़का पुस्तक पढ़ेगा।
2. सातत्य बोधक भविष्य	लड़का पुस्तक पढ़ता रहेगा।
3. पूर्ण भविष्य	लड़का पुस्तक पढ़ चुकेगा।
4. संभाव्य भविष्य	आप पुस्तक पढ़ें।

परियोजना कार्य

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अंतरिक्ष में भेजे गये उपग्रहों की जानकारी इकट्ठा कीजिए। किसी एक उपग्रह के बारे में लिखिए।

बालिका शिक्षा समाज समृद्धि का प्रमुख आधार है। -कस्तूरबा गाँधी

इकाई–IV

12. जागो ग्राहक जागो

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस
पर आप भी जागरूक उपभोक्ता बनने का
संकल्प लीजिये और अपने अधिकारों का
उपयोग कर सक्षम उपभोक्ता बनिए...
जागो ग्राहक जागो
विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस
15 मार्च 2010
किसी भी उत्पाद/सेवा के बारे में जानने का है पूरा अधिकार
खरीदारी से पहले उससे संबंधित पूरी जानकारी लेने का अधिकार
खतरनाक/असुरक्षित वस्तु अथवा सेवा से सुरक्षित रहने का आपका अधिकार
जानिये अपने अधिकार उनका उपयोग करें हर बार
कुछ भी चुनने का है अधिकार
आपकी बात पूरी सुनी जाए, यह है आपका अधिकार
वस्तु/सेवा से संतुष्ट न होने पर शिकायत करने का है अधिकार
अपन क्षत्र क उपभोक्ता फोरम का पता करने के लिए www.ncdrc.in पर लॉग ऑन करें।
राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन सं. 1800-11-4000 (शुल्क मुक्त)
(बीएसएनएल/एमटीएनएल लाइनों से) अथवा
011-27662955, 56, 57, 58 (सामान्य कॉल प्रभार लागू)
(पूर्वान्ह 9.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक - सोमवार से शनिवार)
जनहित में जारी :
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार,
कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001, वेबसाइट : www.fcamin.nic.in

प्रश्न

1. ऊपर दिया गया विज्ञापन किस के बारे में है?
2. ग्राहकों को जागरूक करने के लिए विज्ञापन क्यों दिया जाता है?
3. इस विज्ञापन से हमें क्या जानकारी मिलती है?

XFHHR6

उद्देश्य

सामाजिक, औद्योगिक व वाणिज्य विषयों के प्रति जागरूक बनाना। क्रय-विक्रय में सावधानियों की जानकारी देना।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

साहिती : दादाजी! दादाजी! आज अख़बार के साथ यह पीला कागज़ क्यों आया है?

दादाजी : यह तो उपभोक्ताओं के लिए संदेश है। आज 15 मार्च है, उपभोक्ता दिवस है। जिला प्रशासन ने ये परचे छपवाकर बाँटे हैं। इनसे उपभोक्ताओं को सचेत किया गया है कि वे सामान खरीदते समय सावधानी रखें।

साहिती : दादाजी, ये उपभोक्ता कौन हैं?

दादाजी : अरे वाह! तुमने बहुत अच्छा प्रश्न किया है। बैठो, मैं समझाता हूँ। किसी वस्तु या सेवाओं का उपभोग करने वाला उपभोक्ता कहलाता है, जैसे- विद्युत विभाग से बिजली, जल विभाग से जल व दूरसंचार से टेलीफोन की सुविधाएँ प्राप्त करते हैं। इन सुविधाओं के लिए हम बिल की राशि जमा कराते हैं। इसलिए हम इन विभागों के उपभोक्ता कहलाते हैं। बाज़ार से सामान लाते हैं, उसका उपभोग करते हैं तो हम उस सामान के उपभोक्ता हुए।

साहिती : अच्छा-अच्छा, अब समझे। तो फिर जिला प्रशासन हमें सावधान क्यों कर रहा है?

दादाजी : क्योंकि सामान बेचने वाले कई बार घटिया सामान दे देते हैं।

गौतम : तभी माँ कहती हैं, सामान देखकर लाया करो, जो मंगवाएँ, वही लाया करो। कई बार नक़ली सामान भी आ जाता है।

दादाजी : हाँ बेटा, कुछ लोग अधिक धन कमाने के लालच में सामान में मिलावट करते हैं। नक़ली सामान बनाकर बेचते हैं। कुछ दुकानदार वस्तु पर छपी क़ीमत से ज़्यादा मूल्य ले लेते हैं। कम तोलते हैं। ये अच्छी बातें नहीं हैं। इससे उपभोक्ताओं को हानि होती है।

गौतम : ऐसा करने वालों के साथ क्या करना चाहिए?

दादाजी : ज़िला प्रशासन ने जो यह परचे बाँटे हैं, उनमें लिखा है कि यदि किसी व्यापारी ने कम तोला है, सामान की क़ीमत अधिक ले ली है या नक़ली सामान दिया है तो हमें 'उपभोक्ता मंच' में शिकायत करनी चाहिए।

XG1JF3

साहिती : दादाजी, शिकायत करने से क्या होता है?

SCERT ANDHRA PRADESH

दादाजी : होता क्यों नहीं है? सरकार विक्रेता से उपभोक्ता को हुई हानि पूरी करवाती है। इसमें सामान बदला भी जा सकता है तथा राशिमय ब्याज़ लौटायी जा सकती है।

गौतम : शिकायत दर्ज कराने के लिए क्या करना होता है?

दादाजी : करना क्या है? पहले संबंधित विभाग, जैसे- ग्राम पंचायत, नगरपालिका, माप-तोल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, थाना या पुलिस चौकी में शिकायत करनी चाहिए। उसके बाद उपभोक्ता स्वयं या कोई अन्य व्यक्ति उपस्थित होकर शिकायत लिखवायें या डाक से शिकायत-पत्र भेज दें। हाँ, एक बात का ध्यान रखें, उस शिकायत के साथ उस वस्तु का बिल अथवा प्रमाण लगाना ज़रूरी है।

साहिती : क्यों दादाजी, बिना प्रमाण के शिकायत दर्ज नहीं होगी?

दादाजी : हाँ बेटी, तुमने सही कहा। जागरूक उपभोक्ता वह है जो सामान खरीदते या सेवा प्राप्त करते समय रसीद या बिल लें। वस्तुओं के पैकेट पर लिखे विवरण ध्यान से पढ़ें। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आई. एस. आई. या एग मार्क अंकित वस्तुओं का चुनाव करें। ये मार्क सरकार द्वारा प्रामाणित होते हैं। ये चिह्न सरकार द्वारा जाँची परखी वस्तुओं पर ही लगाते हैं।

साहिती : आपने बहुत अच्छी जानकारी दी दादाजी।

दादाजी : तुम यह भी जान लो कि सुरक्षा, सूचना, वस्तु का चुनाव, सुविधा न मिलने पर सुनवाई, क्षति-पूर्ति तथा अधिकारों के लिए जागरुक शिक्षित होना हर उपभोक्ता का कर्त्तव्य एवं अधिकार है।

गौतम : हाँ दादाजी, इस पीले कागज़ पर भी तो उपभोक्ता के अधिकार छपे हैं।

दादाजी : देखो, पढ़ो, क्या लिखा है? अच्छी वस्तु उचित दाम, उपभोक्ता संरक्षण का पैग़ाम।

SCERT ANDHRA PRADESH

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर सोचकर लिखिए।

1. क्रय-विक्रय में उपभोक्ता का क्या महत्व है?
2. उपभोक्ताओं को जागरूक करने में आप क्या योगदान दे सकते हैं?
3. सरकार ग्राहकों की भलाई के लिए क्या करती है?

(आ) इन प्रश्नों के लिए दादाजी ने क्या उत्तर दिये हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए।

1. क्यों दादाजी, बिना प्रमाण के शिकायत दर्ज नहीं होगी?
2. दादाजी, उपभोक्ता कौन होते हैं?
3. अख़बार के साथ यह पीला कागज़ क्यों आया है?
4. तो फिर ज़िला प्रशासन हमें सावधान क्यों कर रहा है?

XG573Z

(इ) पाठ में बच्चों द्वारा पूछे गये प्रश्न लिखिए।

जैसे- साहिती : दादाजी, शिकायत करने से क्या होता है?

(ई) अनुच्छेद पढ़िए। इसके आधार पर तीन प्रश्न बनाइए।

भूकंप के विषय में शिक्षित करने की अधिक आवश्यकता है ताकि लोग जान सकें कि आपात स्थिति में क्या करना चाहिए। भूकंप के समय शीशे की खिड़कियों, दरवाज़ों, अलमारियों तथा आइनों से दूर रहना चाहिए तथा गिरने वाली चीज़ों से बचने के लिए आपको मेज़ के नीचे अथवा मज़बूत चारपाई के नीचे चले जाना चाहिए। खुली जगह में जाने की कोशिश में आप दरवाज़ों अथवा सीढ़ियों की ओर दौड़ेंगे तो पाएंगे कि वे या तो टूट चुके हैं अथवा टूटकर गिरी हुई चीज़ों से अवरुद्ध हो चुके हैं। आपके सभी विद्युत-उपकरण तथा खाना बनाने की गैस के सिलेंडर बंद होना बिलकुल अनिवार्य है। उदाहरण के लिए जापान और कैलिफोर्निया में भूकंप-ड्रिल, रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा होती है। बच्चे अपनी चारपाई के समीप टॉर्च और मज़बूत जूते रखने की आदत डाल लेते हैं ताकि रात के समय भूकंप आने पर वे सुरक्षित जगह पर पहुँच सकें।

SCERT ANDHRA PRADESH

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. किसी एक वस्तु की प्रामाणिकता के बारे में लिखिए।
2. किसी भी सामान को खरीदते समय रसीद या बिल लेना क्यों आवश्यक है?
3. बच्चों के पूछे गये प्रश्नों में आपको सबसे अच्छा प्रश्न कौनसा लगा और क्यों?

(आ) प्रत्येक व्यक्ति को कर्तव्य और अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए। क्यों?

1. उपभोक्ता दिवस के बारे में आप क्या जानते हैं? बताइए।

2. दादाजी बच्चों को उपभोक्ताओं के बारे में क्यों समझा रहे थे?

3. एक उपभोक्ता के रूप में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

(इ) ग्राहकों को जागरूक करने के कुछ नारे बनाइए।

(ई) सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाएँ हमारे लिए किस प्रकार लाभकारी हैं? लिखिए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दी गयी संख्याएँ पढ़िए। दैनिक जीवन में इन संख्याओं का इस्तेमाल कैसे करते हैं?

51-इक्कावन	52-बावन	53-तिरपन	54-चौपन	55-पचपन	56-छप्पन	57-सत्तावन	58-अट्ठावन	59-उनसठ	60-साठ
61-इकसठ	62-बासठ	63-तिरसठ	64-चौंसठ	65-पैंसठ	66-छियासठ	67-सड़सठ	68-अड़सठ	69-उनहत्तर	70-सत्तर
71-इकहत्तर	72-बहत्तर	73-तिहत्तर	74-चौहत्तर	75-पचहत्तर	76-छिहत्तर	77-सतहत्तर	78-अठत्तर	79-उनासी	80-अस्सी
81-इक्यासी	82-बयासी	83-तिरासी	84-चौरासी	85-पचासी	86-छियासी	87-सत्तासी	88-अठासी	89-नवासी	90-नब्बे
91-इक्यानबे	92-बानवे	93-तिरानवे	94-चौरानवे	95-पचानवे	96-छियानवे	97-सत्तानवे	98-अट्ठानवे	99-निन्यानवे	100-सौ

(आ) 1. इन शब्दों पर ध्यान दीजिए।

हिंसा-अहिंसा, चेत-सचेत, रक्षा-सुरक्षा, उपस्थित-अनुपस्थित

इस तरह किसी मूल शब्द के पूर्व में कोई शब्दांश जुड़कर मूल शब्द के अर्थ में परिवर्तन या विशेषता लाता है तो उसे उपसर्ग कहते हैं। अहिंसा में **अ**, सचेत में **स**, सुरक्षा में **सु**, अनुपस्थित में **अन्** उपसर्ग हैं। अब नीचे दिये गये शब्दों को समझकर उपसर्ग पहचानिए।

अपमान लापरवाह परदेश विदेश

2. इन शब्दों पर ध्यान दीजिए।

स्वतंत्र-स्वतंत्रता, भारत-भारतीय, इतिहास-ऐतिहासिक, ईमान-ईमानदार, दूध-दूधवाला, साहस-साहसी

इस तरह मूल शब्द के अंत में कोई शब्दांश या वर्ण जुड़कर परिवर्तन लाता है तो उसे प्रत्यय कहते हैं। स्वतंत्रता में **ता**, भारतीय में **ईय**, ऐतिहासिक में **इक**, ईमादार में **दार**, दूधवाला में **वाला**, साहसी में **ई** प्रत्यय हैं। अब नीचे दिये गये शब्दों को समझकर प्रत्यय पहचानिए।

धनी सामाजिक मानवता प्रशंसनीय

परियोजना कार्य

जल संरक्षण के उपाय के विषय में दिये जाने वाले विज्ञापनों का संग्रह कीजिए।

वही कार्य करना ठीक है, जिसे करके पछताना न पड़े। - महात्मा गौतम बुद्ध

SCERT ANDHRA PRA

उपवाचक

अपना स्थान स्वयं बनायें

एक बादशाह था। उसने एक दिन अपने मंत्री से कहा, ''मुझे अपने लिए एक आदमी की ज़रूरत है। आपकी दृष्टि में कोई हो तो ले आएँ, पर इतना ध्यान रखें कि आदमी अच्छा हो।''

बहुत दिनों की जाँच-पड़ताल के बाद मंत्री को एक आदमी सही लगा। उसने उसकी नौकरी छुड़ा दी और उन्नति का आश्वासन देकर बादशाह के सामने पेश किया। बहुत देर तक तो बादशाह को अपनी बात ही याद न आई, बाद में बोले, ''हाँ, उस समय शायद कोई बात मन में थी, पर अब तो कोई बात नहीं है।''

मंत्री ने कहा, ''हुज़ूर मैंने इसे हज़ारों में से छाँटा है और बढ़िया नौकरी छुड़ाकर इसे लाया हूँ।'' बादशाह ने ज़रा सोचकर कहा, ''हमारे पास तो इस समय कोई काम नहीं है पर तुम बहुत कह रहे हो तो हम अपने निजी कार्यालय में चपरासी रख सकते हैं। वेतन पंद्रह रूपये मिलेगा।''

मंत्री को बुरा लगा, पर उस युवक ने कहा, '' मेरे लिए सबसे बड़ा वेतन यह है कि मुझे आपने बादशाह की सेवा करने का मौक़ा दिलाया'' और वह तैयार हो गया। मंत्री जब उसे कार्यालय में छोड़ने गया तो वहाँ धूल-ही-धूल थी क्योंकि बादशाह वहाँ न कभी जाते थे और न काम करते थे। मंत्री दुखी हुआ, पर युवक खुश था। उसने अच्छा स्थान दिलाने के लिए मंत्री के प्रति कृतज्ञता भी प्रकट की। उसने लगातार कई दिनों तक उस कार्यालय को साफ़ किया और उसे शाही कार्यालय का रूप दिया।

उस कार्यालय में एक छोटी-सी कोठरी थी। युवक ने उसकी जाँच-पड़ताल की, तो पता चला कि पिछले सालों में बादशाह के पास बहुत-से-लिफ़ाफ़ों पर सोने की पच्चीकारी और रत्न जड़े थे। ये वे लिफ़ाफ़े थे जो विवाह आदि के शुभ अवसरों पर दूसरे बादशाहों और अमीर-उमरावों के यहाँ से आए थे। युवक ने कारीगर लगाकर सब कीमती सामान लिफ़ाफ़ों से उतरवा लिया और बाज़ार में बेच दिया। इससे कई हज़ारों रुपये मिले। उनमें से कुछ रुपये तो उसने बढ़िया फ़र्नीचर और चित्रादि लगाने में खर्च किए और बाक़ी पैसा सरकारी ख़जाने में जमा कर दिया। जहाँ वह सामान बिका, उसकी भी रसीद ली

SCERT ANDHRA PRADESH

और जहाँ से सामान ख़रीदा गया, उसकी भी।

अब वह स्थान सचमुच शाही हो गया। कुछ दरबारियों ने बादशाह से उसकी शिकायत की कि वह रुपया लुटा रहा है। एक दिन बादशाह गुस्से में भरे वहाँ गए तो देखकर दंग रह गए। उन्होंने तेज़ आवाज़ में पूछा, ''तुमने यह सजावट किसके रुपये से की है?''

''यहीं के रुपयों से हुज़ूर!'' कहकर उसने रद्दी लिफ़ाफ़ों की कहानी सुनाई और ख़ज़ांची से गवाही दिलाई कि सामान ख़रीदने के बाद बचा हुआ रुपया ख़ज़ाने में जमा किया गया है। बादशाह प्रसन्न हुए और उन्होंने युवक को अपने राज्य का वित्तमंत्री बना दिया। दूसरे मंत्री इससे परेशान हुए क्योंकि न वह बेईमानी करता था, न करने देता था। जो भी मंत्री बादशाह के पास जाता, किसी-न-किसी बहाने उस युवक की शिकायत करता जिससे कि वह बादशाह की नज़रों से गिर जाए।

एक दिन रात को दो बजे बादशाह ने अपने सेनापति को बुलाकर कहा, ''हमारे सब मंत्रियों को उनके घरों से उठाकर इस कमरे में ले आओ। हाँ, वे जिस हालत में हों, उसी हालत में लाए जाएँ। समझ लो, हमारे हुक्म को। अगर कोई पलंग पर सो रहा हो तो उसे पलंग सहित ज्यों-का-त्यों लाया जाए और कोई क़ालीन पर बैठा चौपड़ खेल रहा हो तो उसे क़ालीन समेत लाया जाए।''

कुछ ही समय में सब बादशाह के बड़े कमरे में आ गए। आठ में से सात मंत्री नशे में थे। उनमें से कुछ जुआ खेल रहे थे। वित्तमंत्री जी बनियन पहने एक चौकी पर बैठे दिये की रोशनी में कोई कागज़ देख रहे थे। सब मंत्री बहुत लज्जित हुए। तब बादशाह ने वित्तमंत्री से पूछा, ''जनाब, रात के दो बजे किस कागज़ में उलझे हुए थे?'' उसने उत्तर दिया, ''हुज़ूर, दूर के इलाक़े से इस साल का जो राज-कर आया है, उसमें पिछले साल से एक पैसा कम है तो बार-बार देख रहा था कि जोड़ में भूल है या सचमुच पैसा कम है।''

बादशाह ने अपनी जेब से एक पैसा फेंककर कहा, '' लो, अब हिसाब ठीक कर दो और जाओ आराम करो।'' वित्तमंत्री ने नम्रता के साथ पैसा वापस करते हुए कहा, ''हुज़ूर, पैसा तो मैं भी डाल सकता था पर यदि पैसा कम है और उसके लिए पूछताछ न हुई तो इससे अफ़सरों में ढील और बेईमानी पैदा हो सकती है।''

बादशाह बहुत खुश हुए और उन्होंने उस युवक को अपना प्रधानमंत्री बना लिया।

– कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

प्रश्न

1. बादशाह को कैसे आदमी की ज़रूरत थी?
2. युवक ने कार्यालय को शाही कार्यालय के रूप में कैसे बदला?
3. युवक ने अपना स्थान स्वयं कैसे बनाया?

SCERT ANDHRA PRADESH

शब्दकोश

अपनाना	=	తనకనుకూలముగా చేసికొనుట, to own	हमें अच्छे गुण **अपनाना** चाहिए।
अरणी	=	యజ్ఞములో అగ్ని రాజేయటానికి ఉపయోగించునది, a wooden drill used for kindling fire	यज्ञ में **अरणी** की लकड़ी का उपयोग किया जाता है।
अक्सर	=	తరచుగా, usually	**अक्सर** मैं अपने मामा के घर जाता हूँ।
अंतर	=	భేదము, difference	बेटा और बेटी में **अंतर** नहीं करना चाहिए।
अभिवादन	=	వందనము, salutation	शिष्य गुरुजी को **अभिवादन** करते हैं।
अनुशासन	=	క్రమశిక్షణ, discipline	छात्रों को **अनुशासन** बनाये रखना चाहिए।
अनुरोध	=	విన్నపము, request	मैने छुट्टी के लिए **अनुरोध** किया।
आँसू	=	కన్నీరు, tears	दुःख मे आँखों से **आँसू** बहते हैं।
असर	=	ప్రభావము, effect	बुरे कार्यों से बुरा **असर** पड़ता है।
असार	=	సారహీనము, unfulfilled	**असर** विषयों से समय व्यर्थ होता हैं।
आश्वासन	=	తోడ్పడుట, assurance	माँ, बच्चे को **आश्वासन** देती है।
इंसान	=	మనిషి, human being	भला **इंसान** दुनिया में अच्छा नाम कमाता है।
इच्छा	=	కోరిక, desire, wish	मनुष्य की **इच्छाएँ** अनंत हैं।
इलाज	=	చికిత్స, treatment	डॉक्टर **इलाज** करते हैं।
इरादा	=	నిశ్చయము, intention	दृढ़ **इरादा** हर काम आसान बनाता है।
इतिहास	=	చరిత్ర, history	भारत के **इतिहास** में कई राजा हुए हैं।
इबादत	=	పూజ, worship	सदा भगवान की **इबादत** करो।
ईमानदार	=	నమ్మకము, honesty	राजू **ईमानदार** लड़का है।
ईदगाह	=	ప్రార్థనాస్థలము, prayer place	**ईदगाह** में नमाज़ पढ़ी जाती है।
उमंग	=	ఉల్లాసము, aspiration	स्वतंत्रता की लड़ाई में सभी में खूब **उमंग** थी।
उजाला	=	నిర్మలమగు, ప్రకాశించు, bright	दिन में **उजाला** होता है।
उल्लास	=	ఆనందము, delight	त्यौहार के दिन सभी में **उल्लास** भर जाता है।
उपेक्षा	=	ఉపేక్షించు, neglected	हमें किसी की **उपेक्षा** नहीं करनी चाहिए।

उपहार	=	కానుక, gift	जन्मदिन के दिन **उपहार** मिलते हैं।
उपस्थित	=	హాజరుఅగుట, present	कक्षा में सभी बच्चे **उपस्थित** थे।
उन्नति	=	అభివృద్ధి, progress	देश की **उन्नति** नागरिक के हाथों में होती है।
उद्योग	=	పరిశ్రమ, industry	घरेलू **उद्योगों** से रोज़गार की समस्या हल होती है।
उपभोक्ता	=	వినియోగదారుడు, consumer	सामान का उपयोग करने वाला **उपभोक्ता** कहलाता है।
उपभोग	=	వినియోగం, consume	उपभोक्ता वस्तु का **उपभोग** करता है।
ओझल	=	అదృశ్యమగుట, disappear	थोड़ी देर पहले रोहित यहाँ से **ओझल** हो गया।
कगार	=	ఎత్తైన దరి, to suffer	पर्यावरण को प्रदूषण की **कगार** से दूर करना होगा।
क़दम	=	అడుగు, foot step	आगे **क़दम** बढ़ाने वाले पीछे मुड़कर नहीं देखते।
कहावत	=	సామెత, proverb	**कहावत** से भाषा में चमत्कार उत्पन्न होता है।
कारनामा	=	ఎవరైనా చేసినపని, achievement	भारत ने दुनिया में कई **कारनामे** कर दिखाये हैं।
कोख	=	గర్భము, womb	हम माँ की **कोख** से जन्म लेते हैं।
गायब	=	అదృశ్యమగుట, disappear	धूप को देखकर अंधेरा **गायब** हो जाता है।
गैर	=	ఇతరులు, others	हमें **गैरों** को भी अपनाना चाहिए।
गुज़ारा	=	కాలముగడుపుట, livelyhood	काम करने पर ही **गुज़ारा** हो सकता है।
गाँठ	=	ముడి, knot	शेखर ने अपने गुरुजी की बात **गाँठ** बाँध ली।
ग्राहक	=	వినియోగదారుడు, consumer	**ग्राहक** सामान खरीद रहे हैं।
घोषणा	=	ప్రకటన, announcement	पाठशाला में छुट्टियों की **घोषणा** हुई।
घटिया	=	నీచమైన, worst	**घटिया** कार्य निंदनीय होते है।
चेतावनी	=	హెచ్చరిక, warning	पुलिस ने अपराधियों को **चेतावनी** दी।
चौकोर	=	నాల్గుకోణములు, four angled	हमारे घर का आकार **चौकोर** है।
चेहरा	=	ముఖము, face	नरेश के **चेहरे** पर चोट लगी है।
चिरायु	=	దీర్ఘాయు, long-lived	गुरुजी ने शिष्य को **चिरायु** होने का आशीर्वाद दिया।
चुनाव	=	ఎన్నిక, selection	हमेशा अच्छी चीज़ का **चुनाव** करना चाहिए।
चपरासी	=	నౌకరు, peon	कार्यालय में **चपरासी** का कार्य महत्वपूर्ण होता है।

चुनौती	=	సవాలు, challenge	लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों को **चुनौती** दी।
ज़रूरत	=	అవసరము, need	साहिती को दस रुपये की **ज़रूरत** है।
जागरूक	=	సావధానముగాఉండుట, alert	हमें **जागरूक** उपभोक्ता बनना चाहिए।
जलपान	=	అల్పాహారము, breakfast	पिताजी **जलपान** करने के बाद काम पर चले गये।
तलाश	=	వెతుకుట, to search	पुलिस को चोर की **तलाश** है।
तृषा	=	దాహం, thirsty	शिक्षा की **तृषा** कभी नहीं मिटती।
तेज़	=	చురుకు, sharp	लड़का पढ़ाई में बहुत **तेज़** है।
तैराकी	=	ఈత, swimming	राजू की **तैराकी** देखने लायक है।
थकना	=	అలసిపోవుట, to tired	लक्ष्य प्राप्त करने से पहले **थकना** मना है।
दुगुना	=	రెట్టింపు, double	प्रोत्साहन से काम करने में **दुगुना** उत्साह मिलता है।
दायरा	=	హద్దు, limits	हमें अपना **दायरा** ध्यान में रखकर काम करना चाहिए।
दुआ	=	దీవెన, blesses	बुजुर्गों की **दुआ** लेनी चाहिए।
धरा	=	భూమి, land	हमारी **धरा** हमेशा हरी-भरी रहनी चाहिए।
धीरज	=	ధైర్యముగలవాడు, courage	हर काम **धीरज** के साथ करना चाहिए।
नेतृत्व	=	నాయకత్వం, leadership	गांधी जी के **नेतृत्व** में स्वतंत्रता आंदोलन चला।
निरंतर	=	ఎల్లప్పుడు, continuous	ज्ञान का प्रवाह **निरंतर** चलता रहता है।
निश्चय	=	సంకల్పము, decision	दृढ़ **निश्चय** करने वाले पीछे मुड़कर नहीं देखते।
नियुक्ति	=	నియామకము, appointment	सरकार अध्यापकों की **नियुक्ति** करती है।
नगरपालिका	=	మున్సిపాలిటి, municipality	आंध्र प्रदेश में कई **नगरपालिकाएँ** हैं।
पहचान	=	గుర్తింపు, recognition	वोटर कार्ड हमारा **पहचान** पत्र है।
पिघलना	=	కరుగుట, melting	हिमालय का **पिघलना** जारी है।
पूर्वज	=	పూర్వీకులు, forefather	हमारे **पूर्वज** महान हैं।
प्रदूषण	=	కాలుష్యము, pollution	**प्रदूषण** से पर्यावरण बिगड़ता जा रहा है।
परिवर्तन	=	మార్పు, change	समाज में **परिवर्तन** की आवश्यकता है।

परंतु	=	కాని, but	वह मेहनत कर सकता है, **परंतु** आलसी है।
प्रफुल्लित	=	సంతోషించుట, happy	रवि अपने मित्र को देखकर **प्रफुल्लित** हो उठा।
प्रेरणा	=	ప్రేరణ, inspiration	मनुष्य का आत्मविश्वास ही उसकी सच्ची **प्रेरणा** है।
परवाह	=	లక్ష్యపెట్టుట, concern	हमें हर किसी की **परवाह** करनी चाहिए।
प्रयास	=	ప్రయత్నము, effort	हमें सदा **प्रयास** करना चाहिए।
पक्षपात	=	నిష్పక్షపాతము, partiality	हमें किसी के साथ **पक्षपात** नहीं करना चाहिए।
परसो	=	ఎల్లుండి, after tomorrow	मेरा मित्र **परसों** विजयवाड़ा जाने वाला है।
प्याला	=	పాత్ర, cup	मेज पर गरम चाय का **प्याला** है।
प्यास	=	దప్పిక, thirst	गर्मियों में ज्यादा **प्यास** लगती है।
पीढ़ी	=	తరము, generation	हर **पीढ़ी** को पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए।
प्रशासन	=	కార్యనిర్వహణ, administration	अच्छे **प्रशासन** की जिम्मेदारी सरकार पर होती है।
पैगाम	=	సందేశము, a message	संसार के सभी धर्म शांति का **पैगाम** फैलाते हैं।
प्रामाणिक	=	నమ్మకము, authentic	प्रमाण पत्र **प्रामाणिक** होना चाहिए।
फुदकना	=	ఎగురుట, to hop	चिड़िया का **फुदकना** अच्छा लगता है।
फँसना	=	చిక్కుకొనుట, to be entrapped	हमें बुरी आदतों में नहीं **फँसना** चाहिए।
फ़र्ज़	=	బాధ్యత, responsiblity	हमें अपना **फ़र्ज़** निभाना चाहिए।
बढ़ोतरी	=	వృద్ధి, progress	जनसंख्या में **बढ़ोतरी** होती जा रही है।
बदलाव	=	మార్పు, change	समय के साथ मनुष्य में **बदलाव** आते रहते हैं।
बेहोश	=	స్పృహకోల్పోవుట, unconscious	लड़का कमज़ोरी के कारण **बेहोश** होकर गिर पड़ा।
बाँध	=	ఆనకట్ట, dam	नागार्जुनसागर बड़ा **बाँध** है।
बढ़िया	=	చాలా గొప్పది, excellent	परीक्षा में अच्छे अंक लाना **बढ़िया** बात है।
भेंट	=	కానుక, gift	भक्त भगवान को **भेंट** चढ़ाते हैं।
भाँति	=	ఇలా, వలె, like	रामू विद्रोहि की **भाँति** विचार करने लगा।
भाईचारा	=	సౌభ్రాతృత్వము, brotherhood	भारत में सभी धर्मावलंबी **भाईचारे** से रहते हैं।
माँग	=	కోరిక, demand	किसान बीज और खाद की **माँग** कर रहे हैं।
मुलाकात	=	కలయిక, meeting	प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से **मुलाकात** की।

मासूम	=	అమాయకపు, innocent	छोटे बच्चे **मासूम** होते हैं।
मजबूर	=	వివశుడైన, helpless	हमें किसी को **मजबूर** नहीं करना चाहिए।
मतलब	=	ఉద్దేశము, purpose	अपने **मतलब** के लिए दूसरों का बुरा मत कीजिए।
मुग्ध	=	ముగ్ధుడగుట, fascinate	संगीत मंत्र **मुग्ध** करता है।
मृदुल	=	సున్నితము, smooth	**मृदुल** भाव हृदय को छू जाते हैं।
मछुआरा	=	మత్సకారుడు, fisherman	**मछुआरा** मछली पकड़ता है।
माप-तोल	=	తునికలు కొలతలు, weight & measurments	वस्तु लेने से पहले **माप-तोल** कर लेना चाहिए।
राजनैतिक	=	రాజనైతిక, political	भारत-पाक की सीमा **राजनैतिक** विषय है।
यशस्वी	=	కీర్తిగలవాడు, glorious	भारत के महापुरुष **यशस्वी** हैं।
रोज़ा	=	ఉపవాసము, fasting	रमज़ान के महिने में **रोज़ा** का विधान है।
लुप्त	=	అదృశ్యమైపోవుట, disappeared	गिद्ध **लुप्त** होते जा रहे हैं।
लज्जित	=	సిగ్గుపడిన, shamed	हमें **लज्जित** होने वाला काम नहीं करना चाहिए।
लालच	=	దురాశ, greediness	**लालच** बुरी बात है।
सिर्फ	=	కేవలం, only	**सिर्फ** परिश्रम से ही सफलता संभव है।
वलयित	=	చుట్టుముట్టబడిఉన్న, ringed	भारत तीनों ओर सागर से **वलयित** है।
व्यवस्था	=	ఏర్పాటు, system	भारत में चुनाव की **व्यवस्था** प्रशंसनीय है।
शिकायत	=	ఫిర్యాదు, complaint	दूसरों पर **शिकायत** न करें।

अध्यापकों के लिए सूचना

यहाँ पर शब्दों के अर्थ व उनके वाक्य प्रयोग दिये गये हैं। अतः बच्चों को अर्थ समझाने के लिए और अधिक वाक्य प्रयोग सिखाइए।